"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2010-2012."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 36] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 7 सितम्बर 2012—भाद्र 16, शक 1934

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 16 अगस्त 2012

क्रमांक ई-1-2/2012/1/2.—सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक.बी-1-1/2012/एक/4, दिनांक 04-08-2012 के द्वारा श्री संजय अलंग, रा.प्र.से. (आर.आर.-91), संयुक्त सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग/अपर संचालक, भू-अभिलेख को अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ संचालक, शासकीय मुद्रणालय एवं लेखन सामग्री का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

2. श्री संजय अलंग, रा.प्र.से. द्वारा कार्यभार ग्रहण करने पर डॉ. बी. एल. अग्रवाल, भा.प्र.से. (1988), सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा पदेन राहत आयुक्त एवं पुनर्वास आयुक्त तथा आयुक्त-सह-संचालक, भू-अभिलेख तथा मुद्रण एवं लेखन सामग्री, रायपुर केवल आयुक्त-सह-संचालक, मुद्रणालय एवं लेखन सामग्री के प्रभार से मुक्त होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुनिल कुमार, मुख्य सचिव.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2012.

लोक निर्माण विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 17 अगस्त 2012

क्रमांक 6352/2310/2012/19/तक-4.— छत्तीसगढ़ राजमार्ग अधिनियम, 2003 (क्र. 12 सन् 2003), के अध्याय-2, के खण्ड-3 के उपखण्ड (तीन) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार एतद्द्वारा, निम्नलिखित मार्गों को मुख्य जिला मार्ग घोषित करती है :-

सारणी

सक्र	मार्ग का नाम	जिला का नाम	कुल योग लंबाई कि.मी.
1	पुरूर फागुन्दाह पलारी अरकार बेल्हारी जामगांव मार्ग	बालोद	34.00
2	अवारी कुवागोदी आमाडुला मार्ग	बालोद	22.40
3	राणाखुज्जी रेंगाडबरी मार्ग	बालोद	19.40
4	उमरादाह निपानी मार्ग	बालोद	12.00
5	सिकोसा अर्जुन्दा मार्ग	बालोद	11.60
6	संबलपुर भीमकन्हार मुड़िया मार्ग	बालोद	10.80
7	बेरला से कोदवा देवरबीजा करमू	बेमेतरा	35.40
8	कारेसरा खम्हरिया सिल्हाटी मार्ग किमी.1 से 18	बेमेतरा	17.00
9	देवकर घोटा मार्ग कि.मी. 0 से 8 तक = 8.00 किमी.	बेमेतरा	8.00
10	गडुवा खैरझिटी-नवागांव एवं टिपनी-बनरांका-सैगोना मार्ग लं. 32.00 किमी.	बेमेतरा	32.00
11	बीजागोड-परपोड़ी-उदयपुर मार्ग लं. 12.00 किमी.	बेमेतरा	12.00
12	सोढ़ देवरबीजा अकोली खाती सौरी मार्ग लं. 34.00 किमी.	बेमेतरा	34.00
13	पाहंदा बारगांव खुडमुड़ा मार्ग लं. 19.00 किमी.	बेमेतरा	19.00
14	सरदा अंतरगढ़ी संका मार्ग लं. 10.00 किमी.	बेमेतरा	10.00
15	कुसमी लिमाही देवादा अकोली मार्ग लं. 13.00 किमी.	बेमेतरा	13.00
16	खुडमुड़ी से बिरमपुर मार्ग लं. 10.00 किमी.	बेमेतरा	10.00
17	सुरहोली-देवादा खंगारपाट मार्ग लं. 10.00 किमी.	बेमेतरा	10.00
18	जेवरा अर्जुनी बोरिया मार्ग लं. 12.00 किमी.	बेमेतरा	12.00
19	ओडिया जाता दाढ़ी चुचरूंगपुर मार्ग लं. 20.30 किमी.	बेमेतरा	20.30
20	पुटपुरा नगधा परसदा गुजेरा भोपसरा दर्री नारायणपुर मार्ग लं. 18.00 किमी.	बेमेतरा	18.00
21	पडकीडीह मरका बाराडेरा चंदनु मार्ग लं. 12.00 किमी.	बेमेतरा	12.00
22	साजा सोमईला बेन्दरची रनबीरपुर मार्ग लं. 18.00 किमी.	बेमेतरा	18.00
23	भदराली कटई मनियारी बेलटुकरी मार्ग लं. 18.00 किमी.	बेमेतरा	18.00
24	नवागढ़ बाघुल कुरदा दाढ़ी मार्ग लं. 15.00 किमी.	बेमेतरा	15.00
25	चिल्फी बेरा मरतरा खण्डसरा मार्ग लं. 12.00 किमी.	बेमेतरा	12.00
26	दाढ़ी सेमरिया बसापुर करचुवा मार्ग लं. 13.00 किमी.	बेमेतरा	13.00
27	मेढ़करी गनियारी धनोरा गोढ़ीकला मार्ग लं. 10.00 किमी.	बेमेतरा	10.00
28	चिचोली तोहडीकापा लोडंगिया मार्ग लं. 12.00 किमी.	बेमेतरा	12.00
29	बेलखुड़ी पुटपुरा बुंदेली गिधवा मार्ग लं. 11.50 किमी.	बेमेतरा	.0011
30	तारालीम चौक सुरजपुरा लावातरा भिलौरी सरदा मार्ग लं. 10.00 किमी.	बेमेतरा	10.00

सक्र	मार्ग का नाम	जिला का नाम	कुल योग लंबाई कि.मी.
31	पेण्ड्रीतराई से गुघेली भालेसरा मार्ग लं. 26.00 किमी.	बेमेतरा	26.00
32	पाटसिवनी बंनचरौदा मार्ग	गरियाबंद	15.50
33	पलारी सिरपुर महानदी मार्ग	बलौदा बाजार	20.00
34	सुहेला झीयन पेण्ड्री बुढ़गहन मार्ग	बलौदा बाजार	12.00
35	सोनवरसा गोरसी नयापारा मार्ग	बलौदा बाजार	15.00
36	हरिनभट्टा सिमगा कचलोन मार्ग	बलौदा बाजार	12.00
37	मुड़ियाडीह वोइरडीह भद्रा नयापारा डमरू मार्ग	बलौदा बाजार	23.00
38	लटुवा रसेडी डमरू तारासिव मार्ग	बलौदा बाजार	17.00
39	भरसेली भरसेला गैतरा सलोनी मार्ग	बलौदा बाजार	12.00
40	कुकुरदी भरूवाडी औरासी मार्ग	बलौदा बाजार	22.00
41	बिटुकुली चमारगोडा पासीद रायपुर लालपुर करही मार्ग	बलौदा बाजार	18.00
42	दतान सकरी ओरासी गुमा मार्ग	बलौदा बाजार	12.00
43	देवसुन्दरा कोदवा सुंदरी मार्ग	बलौदा बाजार	14.00
44	दतान पुरैना खपरी कोसमंदी	बलौदा बाजार	12.00
45	अमोदी मडवा पवनी मार्ग	बलौदा बाजार	19.00
46	दामाखेडा तुलसी पौसरी वावसमुन्द मार्ग	बलौदा बाजार	16.00
47	ढेकूना चोरहा नवागांव चक्रवाय मार्ग	बलौदा बाजार	12.00
48	थरगांव से सरायपाली मार्ग	बलौदा बाजार	10.00
49	धोबनी से बड़ेसाजापाली मार्ग	बलौदा बाजार	11.00
50	प्रेमनगर बकीरमा बलदेव नगर मार्ग	सूरजपुर	16.00
51	फुलीडुमर चेरा सल्वाही मार्ग	बलरामपुर	20.60
52	कामेश्वरनगर रामचन्द्रपुर लुरगी मार्ग	बलरामपुर	24.00
53	सलका केतका परशुराम रामानुजनगर मांजा मार्ग	सूरजपुर	37.00
54	गंगोटी भवराही कुसमुसी बडसरा मार्ग	सूरजपुर	17.60
55	देवीपुर पंपापुर कोट पटना मार्ग	सूरजपुर	5.60
56	डुन्डी कुदरगढ़ मार्ग	सूरजपुर	6.20
57	कमलपुर पोंडी देवनगर मार्ग	सूरजपुर	13.60
58	पोंडी सुमेरपुर कुडेली मार्ग	सूरजपुर	8.40
59	पचिरा बेलटिकरी भरतपुर मार्ग	सूरजपुर	8.40
60	भुनेश्वरपुर नारायणपुर सागरपुर मार्ग	सूरजपुर	9.80
61	विश्रामपुर दतिमा मार्ग	सूरजपुर	10.00
62	गादीरास–कुकानार मार्ग	सुकमा	26.00
63	भूसारास–दूधीरास–मिचवार–कूकानार मार्ग	सुकमा	30.00
64	कोन्टा–गोलापल्ली मार्ग	सुकमा	44.00
65	मसोरा बालो[illegible] [illegible]ड़ीगांव मार्ग	कोण्डागांव	30.00
66	बहीगांव बड़[illegible] राधना बालोण्ड मार्ग	कोण्डागांव	28.00
67	बम्हनी उमरगांव मार्ग	कोण्डागांव	13.60
68	दहिकोंगा गोलावण्ड मार्ग	कोण्डागांव	13.60
69	खाम्ही अखरार खुड़िया मार्ग	मुंगेली	16.40
70	लोरमी से पैजनिया मसना मसनी मार्ग	मुंगेली	17.00
71	पेडराकापा भरूवागुड़ा छअन दाबों मार्ग	मुंगेली	21.60
72	लालपुर गीधा से पथरिया मार्ग	मुंगेली	25.00
73	बोड़तरा व्हाया पथर्रा राम्हेपुर डिंडौरी मार्ग	मुंगेली	13.90
74	भदौरा सधवानी खोडरी मार्ग	बिलासपुर	11.40

सक्र	मार्ग का नाम	जिला का नाम	कुल योग लंबाई कि.मी.
75	मुलमुला बनाहिल मार्ग	जांजगीर चांपा	8.60
76	जोधरा सोनपुर बसंतपुर उदईबंद मार्ग	बिलासपुर	14.50
77	आगडीह–नीमगांव–पैकू मार्ग	जशपुर	12.10
78	बालाछापर इचकेला आरा सकरडेगा मार्ग	जशपुर	19.80
79	गड़ाकटा लोटापानी चटकपुर दुलदुला मार्ग	जशपुर	18.40
80	लहपटरा बेलखरिका मार्ग	सरगुजा	6.50
81	अम्बिकापुर दरिमा मार्ग	सरगुजा	13.60
82	लुण्ड्रा गडबीरा बहेराडीह बिलासपुर मार्ग	सरगुजा	23.00
83	प्रतापगढ़ गेरसा केरजू मार्ग	सरगुजा	38.00
84	जी.ई. रोड से इंदामरा सुकुलदैहान ठेलकाडीह मार्ग	राजनांदगांव	19.90
85	डोंगरगढ़ बोरतलाब मार्ग	राजनांदगांव	15.40
86	सुकुल दैहान से अछोली मार्ग	राजनांदगांव	23.40
87	चिरचारी पिटेपानी पिपरखार बुढ़ानछापर मार्ग	राजनांदगांव	17.40
88	अतरिया दनिया मार्ग	राजनांदगांव	16.20
89	छुईखदान उदयपुर बुंदेली मार्ग	राजनांदगांव	19.90
90	टेड़ेसरा मुढ़िपार कलडबरी ठेलकाडीह मार्ग	राजनांदगांव	35.40
91	लोहारा रेंगाडबरी जूनापानी मार्ग	राजनांदगांव	33.00
92	सरोधा भोरमदेव	कवर्धा	15.40
93	बोड़ला मोहगांव प्रतापपुर	कवर्धा	16.20
94	कवर्धा रवेली प्रतापपुर	कवर्धा	20.00
95	कवर्धा रामपुर खम्हरिया	कवर्धा	28.00
96	सर्रागोदी देवरी	राजनांदगांव	13.20
97	ढेलकाडीह से धुमका–गोपालपुर करेला	राजनांदगांव	19.80
98	टेड़ेसरा मुढ़िपार कलडबरी घुमका रेगा ठकठरा मार्ग	राजनांदगांव	32.40
99	दैहान घुपसाल चारभाठा दाऊटोला .	राजनांदगांव	12.20
100	कौड़ीकसा अरजकुण्ड पाटन	राजनांदगांव	24.80
101	एकट कन्हार भर्रीटोला कहडबरी	राजनांदगांव	14.60
102	अंवराडबरी कोमा कोल्दा खुसरू पाली मार्ग	महासमुंद	14.00
103	मुनगासेर से लिलेसर	महासमुंद	14.00
104	झिलमिला जम्हारी साजापाली	महासमुंद	14.60
105	कल्ले अंवरी सेमरा गाड़ाडीह अंचलपुर कोर्रा बागतराई रांवा आमदी मार्ग	धमतरी	30.60
106	कुरमातराई भेण्डरा, कोर्रा जुगदेही सिल्होटी सेमरा मार्ग	धमतरी	16.20
107	भखरा बगदेही डाही पुरी लिमतरा परवाडीह देमार मार्ग	धमतरी	20.00
108	भुमका बेलरगांव कसपुर सीतानदी मार्ग	धमतरी	17.60
109	कुरूद चर्रा छाती उड़ेना झिरिया कण्डेल भोथली संबलपुर मार्ग	धमतरी	21.50
110	कुरूद चरमुड़िया, अटंग, अछोटी, चिंवरी, सिर्री, फुसेरा, करगा, चिंटौद मार्ग	धमतरी	21.00
111	बोरसी धनोरा खम्हरिया पुरई उतई मार्ग	दुर्ग	10.40
112	सेलूद देवबलोदा मार्ग	दुर्ग	18.60
113	भिलाई तर्रा मार्ग	दुर्ग	16.00
114	गौरभाठ भलेरा तामासिवनी डोगा गनौद तादुंल लंबाई 16.80 किमी.	रायपुर	16.80

	मार्ग का नाम	जिला का नाम	कुल योग लंबाई कि.मी.
115	चरौदा खपरी तामासिवनी भुरका मार्ग लंबाई 8.00 किमी.	रायपुर	8.00
116	बिरबिरा उगेतरा घोरभट्ठी मार्ग लंबाई 8.00 किमी.	रायपुर	8.00
117	उरला गुमा हीरापुर रोनडोंगरी तेंदुआ मार्ग	रायपुर	15.00
118	सेमरिया नरदहा धनसुली बाराडेरा मार्ग	रायपुर	10.00
119	सड्डू बरौदा जीरो पाईट टेकारी मार्ग	रायपुर	10.00
120	गोढ़ी सोनपैरी जुगेसर कुटेसर तोड़गांव पिपरहट्टा मार्ग	रायपुर	11.80
121	संडी बोडरा गुमराभाठा आरंग खमतराई अमेंठी मार्ग	रायपुर	15.20
122	एन.एच. 43 से भाटीगुड़ा पोड़ागुड़ा चिंतापदर तरईगुड़ा धनियालूर कैकागढ़ से नानगुर नेतानार मार्ग	बस्तर	34.00
123	जगदलपुर बड़ेमुरमा से काकरवाड़ा बीरनपाल मावलीपदर से कामानार मार्ग	बस्तर	30.00
124	लोहण्डीगुड़ा तारागांव गरदा कोड़ेनार मार्ग	बस्तर	30.50
125	बड़ाजी आंजेर बास्तानार मार्ग	बस्तर	32.50
126	दंतेवाड़ा टेकनार बालपेट गुमड़ा गीदम मार्ग	दन्तेवाड़ा	14.00
127	बचेली नकुलनार सामगिरी खुटेपाल मार्ग	दन्तेवाड़ा	18.00
	योग :–		**2256.90**

No. 6352/2310/2012/19/तक -4.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause 3 of Chapter II of the Chhattisgarh Rajmarg Act, 2003 (No.12 of 2003), the State Government hereby declares the following roads as Major District Road:-

TABLE

S. No.	Name of Road	Name of District	Length k.m.
1	Purur Phagundah Palari Arkar Belhari Jamgaon road	Balod	34.00
2	Awari Kuagodi Amadula road	Balod	22.40
3	Ranakhujji Rengadabri road	Balod	19.40
4	Umradah Nipani road	Balod	12.00
5	Sikosa Arjunda road	Balod	11.60
6	Sambalpur Bhimkanhar Mudiya road	Balod	10.80
7	Berla to Kodwa Devarbija Karmu road	Bemetara	35.40
8	Karesara Khamhariya Silhati road	Bemetara	17.00
9	Devkar Ghota road	Bemetara	8.00
10	Gaduva Khairjhiti Nawagaon Tipni Banranka Saigona road	Bemetara	32.00
11	Bijagod Parpodi Udaipur road	Bemetara	12.00
12	Sod Devarbija Akoli Khati Souri road	Bemetara	34.00
13	Pahanda Bargaon Khudmuda road	Bemetara	19.00
14	Sarda Antargadi Sanka road	Bemetara	10.00
15	Kusmi Limahi Devada Akoli road	Bemetara	13.00
16	Khudmudi to Birawpur road	Bemetara	10.00

S. No.	Name of Road	Name of District	Length k.m.
17	Surholi Devada Khangarpat road	Bemetara	10.00
18	Jevra Arjuni Boriya road	Bemetara	12.00
19	Odisha Jata Dadi Chuchrungpur road	Bemetara	20.30
20	Putpura Nagdha Parsada Gujera Bhopsara Darri Narayanpur road	Bemetara	18.00
21	Padkidih Marka Baradera Chandanu road	Bemetara	12.00
22	Saja Someela Bendarchi Ranbirpur road	Bemetara	18.00
23	Bhadrali Katai Maniyari Beltukri road	Bemetara	18.00
24	Nawagarh Bhaghul Kurda Dadi road	Bemetara	15.00
25	Chilphi Bera Martara Khandsara road	Bemetara	12.00
26	Dadi Semariya Bansapur Karchuva road	Bemetara	13.00
27	Medhkari Ganiyari Dhanora Godikala road	Bemetara	10.00
28	Chichola Tohdikapa Lodangiya road	Bemetara	12.00
29	Belkhudi Putpura Bundeli Gidhwa road	Bemetara	11.00
30	Taraleem Chouk Surajpura Lawatara Bhilouri Sarda road	Bemetara	10.00
31	Pendritarai to Gugheli Bhalesara road	Bemetara	26.00
32	Patsivani Bancharouda road	Gariyabandh	15.50
33	Palari Sirpur Mahanadi road	Balodabazar	20.00
34	Suhela Jhiyan Pendri Budhgahan road	Balodabazar	12.00
35	Sonvarsha Gorsi Nayapara road	Balodabazar	15.00
36	Harinbhatta Simga Kachion road	Balodabazar	12.00
37	Mudiyadih Voerdih Bhadra Nayapara Damru road	Balodabazar	23.00
38	Latuva Rasedi Damru Tarasiv road	Balodabazar	17.00
39	Bharseli Bharsela Gaitra Saloni road	Balodabazar	12.00
40	Kukurdi Bharuadi Aourasi road	Balodabazar	22.00
41	Bitkuli Chamagoda Pasid Raipur Lalpur Karhi road	Balodabazar	18.00
42	Datan Sakri Aourasi Guma road	Balodabazar	12.00
43	Devsundra Kodwa Sundari road	Balodabazar	14.00
44	Datan Puraina Khapri Kosmandi road	Balodabazar	12.00
45	Amodi Madwa Pawani road	Balodabazar	19.00
46	Damakheda Tulsi Pousari Vavsamund road	Balodabazar	16.00
47	Dhekuna Chorha Nawagaon Chakraway road	Balodabazar	12.00
48	Thargaon to Saraipali road	Balodabazar	10.00
49	Dhobni to Badesajapali road	Balodabazar	11.00
50	Premnagar Bakirama Baldev Nagar road	Surajpur	16.00
51	Phulidumar Chera Salwahi road	Balrampur	20.60
52	Kameshwarnagar Ramchandrapur Lurgi road	Balrampur	24.00
53	Salka Ketka Parshuram Ramanujganj Manja road	Surajpur	37.00
54	Gangoti Bhawrahi Kusmusi Badsara road	Surajpur	17.60
55	Devipur Pampapur Kot Patna road	Surajpur	5.60
56	Dundi Kudargarh road	Surajpur	6.20
57	Kamalpur Pondi Devnagar road	Surajpur	13.60
58	Pondi Sumerpur Kudeli road	Surajpur	8.40
59	Pachira Beltikari Bharatpur road	Surajpur	8.40

S. No.	Name of Road	Name of District	Length k.m.
60	Bhuneshwarpur Narayanpur Sagarpur road	Surajpur	9.80
61	Vishrampur Datima road	Surajpur	10.00
62	Gadiras Kukanar road	Sukma	26.00
63	Bhusaras Dudhiras Michwar Kukanara road	Sukma	30.00
64	Konta Golapalli road	Sukma	44.00
65	Masora Balond Hadigaon road	Kondagaon	30.00
66	Bahigaon Badbattar Randhana Balond road	Kondagaon	28.00
67	Bamhni Umargaon road	Kondagaon	13.60
68	Dahikonga Golawand road	Kondagaon	13.60
69	Khamhi Akhrar Khudiya road	Mungeli	16.40
70	Lormi to Paijaniya Masna Masni road	Mungeli	17.00
71	Penrakapa Bharuaguda Chhaan Dabo road	Mungeli	21.60
72	Lalpur Gidha to Pathariya road	Mungeli	25.00
73	Bodtara Vyaha Patharra Ramhepur Dindouri road	Mungeli	13.90
74	Bhadoura Sadhwani Khodri road	Bilaspur	11.40
75	Mulmula Banahil road	Janjgir Champa	8.60
76	Jondhra Sonpur Basantpur Udaiband road	Bilaspur	14.50
77	Agdih Neemgaon Paiku road	Jashpur	12.10
78	Balachhapar Ichkela Ara Sakardega road	Jashpur	19.80
79	Gadakata Lotapani Chatakpur Duldula road	Jashpur	18.40
80	Lahpatra Belkharika road	Sarguja	6.50
81	Ambikapur Darima road	Sarguja	13.60
82	Lundra Gadbira Baheradih Bilaspur road	Sarguja	23.00
83	Pratapgardh Gersa Kerju road	Sarguja	38.00
84	G.E. Road to Indamara Sukuldaihan Telkadih road	Rajnadgaon	19.90
85	Dongargarh Bortalab road	Rajnadgaon	15.40
86	Sukul Daihan to Achholi road	Rajnadgaon	23.40
87	Chirchari Pitepani Piparkhar Budhanchhapar road	Rajnadgaon	17.40
88	Atariya Daniya road	Rajnadgaon	16.20
89	Chhueekhadan Udaipur Bundeli road	Rajnadgaon	19.90
90	Tedesara Mudipar Kaldabri Telkadih road	Rajnadgaon	35.40
91	Lohara Rengadabri Junapani road	Rajnadgaon	33.00
92	Sarodha Bhoramdev road	Kawardha	15.40
93	Bodla Mohgaon Pratappur road	Kawardha	16[illegible]0
94	Kawardha Raveli Pratappur road	Kawardha	2[illegible]0
95	Kawardha Rampur Khamhariya road	Kawardha	28[illegible]0
96	Sarragodi Devari road	Rajnadgaon	13[illegible]0
97	Dhelkadih to Ghumka Gopalpur Karela road	Rajnadgaon	19.80
98	Tedesara Mudipar Kaldabri Ghumka Rega Thakthara road	Rajnadgaon	32.40
99	Daihan Ghupsal Charbhata Daoutola road	Rajnadgaon	12.20
100	Koudikasa Arajkund Patan road	Rajnadgaon	24.80
101	Akut Kanhar Bharritola Kahdabri road	Rajnadgaon	14.60
102	Avaradabari Koma Kolda Khusru Pali road	Mahasamund	14.00

S. No.	Name of Road	Name of District	Length k.m.
103	Mundgaser to Lilesar road	Mahasamund	14.00
104	Jhilmila Jamhari Sajapali road	Mahasamund	14.60
105	Kalle Auvari Semra Gadadih Anchalpur Korra Bagtarai Ranwa Amdi road	Dhamtari	30.60
106	Kurmatarai Bhendara Korra Jugdehi Silhoti Semra road	Dhamtari	16.20
107	Bhakhara Bagdehi Dahi Puri Limtara Parwadih Demar road	Dhamtari	20.00
108	Bhumka Belargaon Kaspur Sitanadi road	Dhamtari	17.60
109	Kurud Charra Chhati Udena Jhiriya Kandel Bhothli Sambalpur road	Dhamtari	21.50
110	Kurud Charmudiya Atang Achhoti Chinwari Sirri Phusera Karga Chitoud road	Dhamtari	21.00
111	Borsi Dhanora Khamhariya Purai Utai road	Durg	10.40
112	Selud Devbaloda road	Durg	18.60
113	Bhilai Tarra road	Durg	16.00
114	Gourbhat Bhalera Tamasivni Doga Ganoud Tandul road	Raipur	16.80
115	Charouda Khapri Tamasivni Bhurka road	Raipur	8.00
116	Birbira Ugetara Ghorbhatti road	Raipur	8.00
117	Urla Guma Hirapur Sondongari Tendua road	Raipur	15.00
118	Semriya Nardaha Bhansuli Baradera road	Raipur	10.00
119	Saddu Barouda Zeero Point Takari road	Raipur	10.00
120	Godi Sonpairi Jugesar Kutesar Todgaon Piparhatta road	Raipur	11.80
121	Sandi Bodra Gumrabhata Arung Khamtarai Ameti road	Raipur	15.20
122	N.H.43 to Bhatiguda Podaguda Chintapadar Taraiguda Dhaniyaloor Kaikagarh to Nangur Netanar road	Bastar	34.00
123	Jagdalpur Bademurma to Kakarwada Biranpal Mawalipadar to Kamanara road	Bastar	30.00
124	Lohandiguda Taragaon Garda Kodenara road	Bastar	30.50
125	Bandjee Anjer Bastanar road	Bastar	32.50
126	Dantewada Teknar Balpet Gumda Geedam road	Dantewada	14.00
127	Bacheli Nakulnar Samgiri Khutepal road	Dantewada	18.00
	Total-		**2256.90**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
डी. के. सहगल, उप–सचिव.

तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 20 जुलाई 2012

क्रमांक-एफ 1-33/2012/जन.नि./42.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, एतद्द्वारा, छत्तीसगढ़ रोजगार (अराजपत्रित तृतीय श्रेणी) सेवा भर्ती नियम, 2005 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

संशोधन

उक्त नियमों की अनुसूची में,—

1. अनुसूची-एक के स्थान पर, निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"अनुसूची-एक
(रोजगार शाखा)
(नियम 6 देखिये)

स. क्र. (1)	सेवा में सम्मिलित पद का नाम (2)	पद की कुल संख्या (3)	वर्गीकरण (4)	वेतनमान (5)	नियुक्ति प्राधिकारी (6)
1.	अधीक्षक	01	तृतीय श्रेणी लिपिक वर्गीय	9300-34800 ग्रेड वेतन 4300	संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण
2.	सहायक सांख्यिकीय अधिकारी (विभागीय डाइंग केडर)	02	तृतीय श्रेणी कार्यपालिक	9300-34800 ग्रेड वेतन 4300	
3.	कनिष्ठ रोजगार अधिकारी	18	—तदैव—	9300-34800 ग्रेड वेतन 4200	
4.	कनिष्ठ लेखा अधिकारी	01	—तदैव—	9300-34800 ग्रेड वेतन 4200	
5.	सहायक प्रोग्रामर	01	—तदैव—	9300-34800 ग्रेड वेतन 4200	
6.	सहायक ग्रेड-I	09	तृतीय श्रेणी लिपिक वर्गीय	5200-20200 ग्रेड वेतन 2800	
7.	सहायक ग्रेड-II	26	—तदैव—	5200-20200 ग्रेड वेतन 2400	
8.	लेखापाल	01	—तदैव—	5200-20200 ग्रेड वेतन 2400	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
9.	शीघ्रलेखक ग्रेड-III	01	तृतीय श्रेणी लिपिक वर्गीय	5200-20200 ग्रेड वेतन 2800	
10.	स्टेनो टायपिस्ट	08	—तदैव—	5200-20200 ग्रेड वेतन 1900 + विशेष वेतन	मुख्यालय, उप संचालक/ जिला रोजगार अधिकारी."
11.	सहायक ग्रेड-III	73	—तदैव—	5200-20200 ग्रेड वेतन 1900	
12.	डाटा एन्ट्री आपरेटर	23	—तदैव—	5200-20200 ग्रेड वेतन 2400	
13.	वाहन चालक	01	तृतीय श्रेणी अलिपिक वर्गीय	5200-20200 ग्रेड वेतन 1900	

2. अनुसूची-दो के स्थान पर, निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"अनुसूची-दो
(रोजगार शाखा)
(नियम 7 देखिये)

विभाग का नाम	सेवा/पद का नाम	पदों की कुल संख्या	भरे जाने वाले कर्तव्य पदों की संख्या का प्रतिशत			नियुक्ति प्राधिकारी
			सीधी भर्ती द्वारा [नियम 7 (क) देखिये]	सेवा के स्थानापन्न/मूल/ अस्थायी सदस्यों की पदोन्नति द्वारा	अन्य सेवा से व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
			प्रतिशत	प्रतिशत	प्रतिशत	
जनशक्ति नियोजन विभाग छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़ रोजगार सेवा (अराजपत्रित तृतीय श्रेणी)					
	1. अधीक्षक	01	-	100%	-	संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण
	2. सहायक सांख्यिकीय अधिकारी (विभागीय डाइंग केडर)	02	-	-	-	
	3. कनिष्ठ रोजगार अधिकारी	18	50%	50%	-	
	4. सहायक प्रोग्रामर	01	100%	-	-	
	5. कनिष्ठ लेखा अधिकारी	01	-	100%	-	
	6. सहायक ग्रेड-I	09	-	100%	-	
	7. सहायक ग्रेड-II	26	-	100%	-	
	8. लेखापाल	01	-	100%	-	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
	9. शीघ्रलेखक ग्रेड-III	01	-	100%	-	
	10. स्टेनो टायपिस्ट	08	100%	-	-	मुख्यालय,
	11. सहायक ग्रेड-III	73	75%	25%	-	उप संचालक/
	12. डाटा एन्ट्री आपरेटर	23	100%	-	-	जिला रोजगार
	13. वाहन चालक	01	100%	-	-	अधिकारी."

3. अनुसूची-तीन में, सरल क्रमांक 7 के कॉलम (5) से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"(1) किसी मान्यता प्राप्त मण्डल/विश्वविद्यालय से हायर सेकेण्डरी परीक्षा या (10+2) उत्तीर्ण अथवा स्नातक पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण.

(2) किसी मान्यता प्राप्त मण्डल/संस्था से 25 शब्द प्रति मिनट की गति से कम्प्यूटर में हिन्दी टाईप लेखन परीक्षा उत्तीर्ण साथ ही हिन्दी शीघ्रलेखन में 60 शब्द प्रति मिनट की गति, तथा

(3) किसी मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री ऑपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाणपत्र उत्तीर्ण तथा डाटा एण्ट्री का 5,000 की (Key) डिप्रेशन प्रति घण्टे की गति होनी चाहिए."

4. अनुसूची-तीन के सरल क्रमांक 10 के कॉलम (5) में, शब्द "स्टेनो टायपिस्ट तृतीय श्रेणी" के स्थान पर, शब्द "शीघ्रलेखक ग्रेड-3" प्रतिस्थापित किया जाये.

5. अनुसूची-तीन में, सरल क्रमांक 10 के कॉलम (5) से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"(1) किसी मान्यता प्राप्त मण्डल/विश्वविद्यालय से हायर सेकेण्डरी या (10+2) उत्तीर्ण या स्नातक पाठ्यक्रम का प्रथम वर्ष उत्तीर्ण.

(2) किसी मान्यता प्राप्त मण्डल/संस्था या शीघ्रलेखन तथा मुद्रलेखन परिषद् से :—

(क) हिन्दी शीघ्रलेखक के लिए हिन्दी शीघ्रलेखन तथा कम्प्यूटर में हिन्दी टाईप लेखन क्रमशः 100 शब्द प्रति मिनट तथा 30 शब्द प्रति मिनट की गति से उत्तीर्ण.

(ख) अंग्रेजी शीघ्रलेखक के लिए अंग्रेजी शीघ्रलेखन तथा कम्प्यूटर में अंग्रेजी टाईप लेखन क्रमशः 100 शब्द प्रति मिनट तथा 35 शब्द प्रति मिनट की गति से उत्तीर्ण.

(ग) द्विभाषी शीघ्रलेखक के लिये ऊपर खण्ड (क) तथा (ख) में यथा विनिर्दिष्ट हिन्दी तथा अंग्रेजी शीघ्रलेखन एवं कम्प्यूटर में टाईप लेखन का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण.

(3) किसी मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री आपरेटर/प्रोग्रेमिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाणपत्र तथा डाटा एण्ट्री में 10,000 की (Key) डिप्रेशन प्रति घण्टे की गति होनी चाहिए."

6. अनुसूची-तीन में, सरल क्रमांक 11 के कॉलम (5) से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"(1) किसी मान्यता प्राप्त मण्डल से (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण.

(2) किसी मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री आपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा/प्रमाणपत्र, तथा

(3) कम्प्यूटर में हिन्दी टाईप लेखन में 5,000 की (Key) डिप्रेशन प्रति घण्टे की गति होनी चाहिए."

7. अनुसूची-तीन में, सरल क्रमांक 12 के कॉलम (5) से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

10वीं बोर्ड परीक्षा तथा किसी भी विषय में त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम उत्तीर्ण.

(2) किसी मान्यता प्राप्त संस्था से डाटा एण्ट्री आपरेटर/प्रोग्रामिंग में एक वर्षीय डिप्लोमा तथा कम्प्यूटर में हिन्दी एवं अंग्रेजी में 8,000 की (Key) डिप्रेशन प्रति घण्टे की गति होनी चाहिए."

8. अनुसूची-चार के स्थान पर, निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—

"अनुसूची-चार
(नियम 14 देखिये)

विभाग का नाम	सेवा या पद का नाम जिससे पदोन्नति की जानी है	सेवा या पद का नाम जिस पर पदोन्नति की जानी है	पद हेतु पात्र होने के लिये न्यूनतम अनुभव की अवधि	विभागीय पदोन्नति समिति/चयन समिति के सदस्यों का नाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
जनशक्ति नियोजन विभाग छत्तीसगढ़ रोजगार सेवा	1. कनिष्ठ रोजगार अधिकारी/ कनिष्ठ लेखा अधिकारी	1. अधीक्षक	3 वर्ष	अध्यक्ष-संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण, छत्तीसगढ़ सदस्य-संयुक्त संचालक, रोजगार, छत्तीसगढ़ सदस्य-उप संचालक, रोजगार, छत्तीसगढ़"
	2. सहायक ग्रेड-1/शीघ्रलेखक ग्रेड-3.	2. कनिष्ठ रोजगार अधिकारी/ कनिष्ठ लेखा अधिकारी	3 वर्ष	
	3. स्टेनो टायपिस्ट	3. शीघ्रलेखक ग्रेड-3	3 वर्ष	
	4. सहायक ग्रेड-2/लेखापाल	4. सहायक ग्रेड-1	3 वर्ष	
	5. सहायक ग्रेड-3/डाटा एण्ट्री आपरेटर.	5. सहायक ग्रेड-2/लेखापाल	3 वर्ष	
	6. 25% नियमित चतुर्थ श्रेणी जो विहित योग्यता रखते हों.	6. सहायक ग्रेड-3	3 वर्ष	

No. F 1-33/2012/MPP/42.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Chhattisgarh, hereby, makes the following amendment in the Chhattisgarh

Employment (Class-III Non-Gazetted) Service Recruitment Rules, 2005, namely :—

AMENDMENT

In Schedule of the said rules,—

1. For Schedule-I, the following Schedule shall be substituted, namely :—

"SCHEDULE - I

(Employment wing)
(See rule-6)

S. No. (1)	Name of the post included in the Service (2)	Total number of Post (3)	Classification (4)	Scale of Pay (5)	Appointing Authority (6)
1.	Superintendent	01	Class-III Ministerial	9300-34800 Grade Pay-4300	Director, Employment and Training
2.	Assistant Statistical Officer (Departmental Dying Cadre)	02	Class-III Executive	9300-34800 Grade Pay-4300	
3.	Junior Employment Officer	18	—do—	9300-34800 Grade Pay-4200	
4.	Junior Accounts Officer	01	—do—	9300-34800 Grade Pay-4200	
5.	Assistant Programmer	01	—do—	9300-34800 Grade Pay-4200	
6.	Assistant Grade-I	09	Class-III Ministerial	5200-20200 Grade Pay-2800	
7.	Assistant Grade-II	26	—do—	5200-20200 Grade Pay-2400	
8.	Accountant	01	—do—	5200-20200 Grade Pay-2400	
9.	Stenographer Class-III	01	—do—	5200-20200 Grade Pay-2800	
10.	Steno Typist	08	—do—	5200-20200 Grade Pay-1900 + Special Pay	Head of the Office of Deputy Director/District Employment Officer."
11.	Assistant Grade-III	73	—do—	5200-20200 Grade Pay-1900	
12.	Data Entry Operator	23	—do—	5200-20200 Grade Pay-2400	
13.	Driver	01	Class-III Non- Ministerial	5200-20200 Grade Pay-1900	

2. For Schedule-II, the following Schedule shall be substituted, namely :—

"SCHEDULE - II

(Employment wing)
(See rule-7)

Name of the Department	Name of the Service/post	Total Number of duty post	Percentage of the number of duty posts to be filled in			Appointing Authority
			By direct recruitment [See rules 7(a)]	By promotion of substantive/ officiating/ temporary members of the service	By Transfer of the person from other service	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Man Power Planning Department Chhattisgarh	Chhattisgarh Employment Service (Class-III Non Gazetted)		Percentage	Percentage	Percentage	
	1. Superintendent	01	-	100%	-	Director, Employment and Training
	2. Assistant Statistical Officer (Departmental Dying Cadre)	02	-	-	-	
	3. Junior Employment Officer	18	50%	50%	-	
	4. Assistant Programmer	01	100%	-	-	
	5. Junior Accounts Officer	01	-	100%	-	
	6. Assistant Grade-I	09	-	100%	-	
	7. Assistant Grade-II	26	-	100%	-	
	8. Accountant	01	-	100%	-	
	9. Stenographer Class-III	01	-	100%	-	
	10. Steno Typist	08	100%	-	-	Head of the Office of Deputy Director/ District Employment Officer."
	11. Assistant Grade-III	73	75%	25%	-	
	12. Data Entry Operator	23	100%	-	-	
	13. Driver	01	100%	-	-	

3. In Schedule-III, for the entries relating to column (5) of serial number 7, the following shall be substituted, namely :—

"(1) Should have passed Higher Secondary Examination or passed (10+2) or 1st year Examination of Graduation Course from any recognized Board/University.

(2) Should have passed Computer Hindi Typing examination with speed of 25 wpm along with speed of 60 wpm in Hindi Stenography from any recognized Board/Institute, and

(3) Should have passed one year Diploma/Certificate in Data Entry Operator/Programming from any recognized Institute and should have speed of data entry 5,000 key depression."

4. In Column (5) of serial number 10 of Schedule-III, for the words "Steno typist class-3" the words "Stenographer Grade-3" shall be substituted.

5. In Schedule-III, for the entries relating to column (5) of serial number 10, the following shall be substituted, namely :—

"(1) Should have passed Higher Secondary or (10+2) or passed 1st year Graduation Course from any recognized Board/University.

(2) From any recognized Board/Institution or Shorthand and Typing Council :—

(a) Passed Hindi Shorthand and Hindi Typing in Computer with speed of 100 wpm and 30 wpm respectively for Hindi Stenographer.

(b) Passed English Shorthand and English Typing in Computer with speed of 100 wpm and 35 wpm respectively for English Stenographer.

(c) Passed certificate course of Hindi and English Shorthand and Typing in computer as specified in clause (a) and (b) above for bi-lingual Stenographer.

(3) Should have one year Diploma/Certificate in Data Entry Operator/Programming from any recognized Institute and should have speed of 10,000 key depression per hour in data entry."

6. In Schedule-III, for the entries relating to column (5) of serial number 11, the following shall be substituted, namely :—

"(1) Should have passed (10+2) Examination from any recognized Board.

(2) Should have one year Diploma/Certificate in Data Entry Operator/Programming from any recognized Institute, and

(3) Should have speed of 5,000 key depression per hour in Hindi Computer Typing."

7. In Schedule-III, for the entries relating to column (5) of serial number 12, the following shall be substituted, namely :—

"(1) Should have passed 12th (10+2) Examination from any recognized Board.

Or

Should have passed 10th Board Examination and three years Diploma course in any subject.

(2) Should have one year Diploma in Data Entry Operator/Programming from any recognized Institute and speed of 8,000 key depression per hour in Computer in Hindi and English."

8. For Schedule-IV, the following Schedule shall be substituted, namely :—

"SCHEDULE - IV
(See rule-14)

Name of Department	Name of the Service or post from which promotion is to be made	Name of the service or post to which promotion is to be made	Minimum experience period for eligibility for post	Name of the members of Departmental Promotion/Selection Committee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Manpower Planning Department Chhattisgarh Employment Service	1. Junior Employment Officer/Junior Accounts Officer.	1. Superintendent	3 year	Chairman-Director, Employment and Training, Chhattisgarh Member -Joint Director, Employment, Chhattisgarh Member-Deputy Director, Employment, Chhattisgarh."
	2. Assistant Grade-1/ Stenographer Class-3	2. Junior Employment Officer/Junior Accounts Officer	3 year	
	3. Steno Typist	3. Stenographer Class-3	3 year	
	4. Assistant Grade-2/ Accountant	4. Assistant Grade-1	3 year	
	5. Assistant Grade-3/ Data Entry Operator	5. Assistant Grade-2/ Accountant	3 year	
	6. 25% of Regular Class-IV having prescribed qualification.	6. Assistant Grade-3.	3 year	

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अमृता बेक, उप-सचिव.

गृह (पुलिस) विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 17 अगस्त 2012

क्रमांक/136/3450/दो गृह/भापुसे/2012.—श्री रामनिवास, भा.पु.से. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, छसबल/नक्स.अभि./एसटीएफ, पुलिस मुख्यालय, रायपुर को दिनांक 30-05-2012 से दिनांक 14-06-2012 (16 दिवस) लघुकृत अवकाश स्वीकृत किया जाता है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री रामनिवास आगामी आदेश तक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, छसबल/नक्स.अभि./एसटीएफ, पुलिस मुख्यालय, रायपुर पद पर पुनः पदस्थ होंगे.

3. अवकाश काल में श्री रामनिवास को अवकाश वेतन भत्ते एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे, जो उन्हें अवकाश में जाने के पूर्व मिलते थे.

4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री रामनिवास अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुनील विजयवर्गीय, अवर सचिव.

मछली पालन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 23 अगस्त 2012

क्रमांक एफ 6-6/36/तक./2012/269.—विभाग के आदेश क्रमांक एफ 6-18/36/यो./2010/दिनांक 21-05-2012 द्वारा मत्स्य विकास सलाहकार मंडल में 6 अशासकीय सदस्य मनोनीत किए गए हैं. इन मनोनीत अशासकीय सदस्यों में से श्री बिष्णु हिरवानी, धमतरी के निधन हो जाने से रिक्त स्थान पर राज्य शासन एतद्द्वारा श्री होरी लाल मत्स्यपाल को अशासकीय सदस्य मनोनीत करता है :—

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. के. दवे, उप-सचिव.

LAW & LEGISLATIVE AFFAIRS DEPARTMENT
Mantralaya, Dau Kalyan Singh Bhavan, Raipur

Raipur, the 24th August 2012

No. 6828/2595/XXI-B/C.G./2012.—In exercise of the powers conferred under clause (7) of Rule 8 of Chhattisgarh Civil Services (General Conditions of Service) Rules, 1961 and Rule 12-A of Chhattisgarh Gevernment Servants (Temporary and Quasi Permanent Service) Rules, 1960, the State Government in consultation with the High Court of Chhattisgarh, Bilaspur hereby accepts the resignation of Shri Mool Chand, Ist Additional Judge to the Court of Ist Additional District & Sessions Judge Bilaspur, Chhattisgarh and relieves him from the post of Additional District & Sessions Judge with effect from 6th August, 2012.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
A. K. SAMANTRAY, Secretary.

रायपुर, दिनांक 24 अगस्त 2012

क्रमांक 6821/2513/21-ब/2012.—भारतीय क्रिश्चियन विवाह अधिनियम, 1872 (क्र. 15 सन् 1872) की धारा-6 तथा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन, धर्म-कर्म कराने वाले (मिनिस्टर ऑफ रिलीजन) रेव्ह. पास्टर अनिश आर्थर टीरू, गुड न्यूज फेलोशिप चर्च, अंबिकापुर को छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले में :—

1. विवाह अनुष्ठापित कराने; और
2. भारतीय क्रिश्चियनों (ईसाईयों) के बीच होने वाले विवाहों के प्रमाण-पत्र देने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के लिए अनुज्ञप्ति मंजूर करता है.

No. 6821/2513/21-B/2012.—In exercise of the powers conferred by section 6 and 9 of the Indian Christian Marriage Act, 1872 (No. 15 of 1872), the State Government is pleased to grant license to (Minister of Religion) Rev. Paster Anish Arthur Tiru, Good News Fellowship Church, Ambikapur, for District Surguja of State of Chhattisgarh :—

1. to Solemnize Marriage; and
2. to grant Certificate of marriages solemnised between the Indian Christians.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
उमेश कुमार काटिया, अतिरिक्त सचिव.

रायपुर, दिनांक 21 अगस्त 2012

क्रमांक-6768/2514/21-ब/छ.ग./2012.—श्री अमृत लाल गुप्ता, अधिवक्ता/नोटरी, पेण्ड्रारोड, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), की मृत्यु हो जाने के फलस्वरूप, नोटरी रजिस्टर से उनका नाम, विलोपित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
पी. एन. त्रिपाठी, उप-सचिव.

जल संसाधन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 24 अगस्त 2012

क्रमांक एफ 01-54/31/स्था./2010.—राज्य शासन एतद्द्वारा, निम्नांकित अधीक्षण अभियंता (सिविल) को, उनके कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से मुख्य अभियंता (सिविल) के पद पर पुनरीक्षित वेतन बैंड रुपये 37400-67000/- +ग्रेड वेतन रुपये 8900/- में पदोन्नत करते हुए उनके नाम के सम्मुख दर्शाए गये स्थान पर अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ करता है :—

सक्र. (1)	अधीक्षण अभियंता (सिविल) का नाम एवं पदस्थापना (2)	पदोन्नत कर पदस्थापना (3)
1.	श्री हेमराज कुटारे, प्रभारी मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, रायपुर.	मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, रायपुर
2.	श्री जयंत पवार, अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन मण्डल, बिलासपुर.	मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, अम्बिकापुर
3.	श्री अब्दुल शकील, प्रभारी मुख्य अभियंता, मिनीमाता हसदेव बांगो परियोजना, बिलासपुर.	मुख्य अभियंता, मिनीमाता हसदेव बांगो परियोजना, बिलासपुर.
4.	श्री सेलेस्टिन खाखा, प्रभारी मुख्य अभियंता हसदेव कछार, बिलासपुर.	मुख्य अभियंता, हसदेव कछार, बिलासपुर
5.	श्री आर. एन. दिव्या, प्रभारी मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर.	मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर.

(1)	(2)	(3)
6.	श्री पी. आर. चौरसिया, प्रभारी मुख्य अभियंता (प्रबोधन), कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, रायपुर.	मुख्य अभियंता (प्रबोधन), कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, रायपुर.

2. प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पदों पर पदोन्नति के संबंध में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण नियमों/आदेशों का पालन किया गया है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राम मनोहर पाठक, अवर सचिव.

श्रम विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 27 अगस्त 2012

क्रमांक एफ 1-39/2012/16.—छत्तीसगढ़ औद्योगिक संबंध अधिनियम, 1960 (क्र. 27 सन् 1960) की धारा 4 की उपधारा (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एवं इस विषयक पूर्व में जारी समस्त अधिसूचनाओं को निरस्त करते हुए, राज्य शासन एतद्द्वारा नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ 2 के व्यक्तियों को स्तंभ 3 एवं 4 में निर्दिष्ट उद्योग एवं स्थानीय क्षेत्रों के लिए संराधक नियुक्त करता है :—

अनुक्रमांक (1)	व्यक्ति (2)	उद्योग (3)	क्षेत्र (4)
1.	छत्तीसगढ़ औद्योगिक संबंध अधिनियम, 1960 की धारा 6 उपधारा (1) के अंतर्गत नियुक्त सभी श्रम पदाधिकारी/उप श्रम पदाधिकारी	छत्तीसगढ़ औद्योगिक संबंध अधिनियम, 1960 के अंतर्गत आने वाले समस्त उद्योग	समस्त स्थानीय क्षेत्र

रायपुर, दिनांक 27 अगस्त 2012

क्रमांक एफ 1-39/2012/16.—छत्तीसगढ़ औद्योगिक संबंध अधिनियम, 1960 (क्र. 27 सन् 1960) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषयक पूर्व में प्रसारित समस्त अधिसूचनाओं को निरस्त करते हुए, राज्य शासन एतद्द्वारा नीचे दी गई प्रथम एवं द्वितीय अनुसूची में उल्लेखित व्यक्तियों को क्रमशः श्रम पदाधिकारी एवं उप श्रम पदाधिकारी नियुक्त करता है :—

अनुक्रमांक (1)	प्रथम अनुसूची ( )	अनुक्रमांक (3)	द्वितीय अनुसूची (4)
1.	श्री एस. एल. जांगड़े	1.	श्री ताराचंद पटेल
2.	श्री एस. पी. वर्मा	2.	श्री अजय हेमंत देशमुख
3.	श्रीमती सविता मिश्रा	3.	श्री रणवीर कपूर
4.	श्री देव प्रकाश तिवारी	4.	श्री व्ही. आर. पटेल
5.	श्री यू. के. मेश्राम	5.	श्री विलियम याकुब लकड़ा
6.	श्रीमती अनिता गुप्ता	6.	श्री बी. एस. वर्मा
7.	श्री भंवरसिंह बरिहा	7.	श्री पी. एस. सैयाम
8.	श्री सूर्यभान सिंह पैकरा	8.	श्री रूबेन खेस
9.	श्री विकास सरोदे	9.	श्री पी. के. बिंचपुरिया
10.	श्री यू. के. कच्छप	10.	श्री डी. के. राजपूत

(1)	(2)	(3)	(4)
		11.	श्री एस. के. सिंह
		12.	श्री जी. डी. प्रसाद
		13.	श्री आर. के. तम्हाने
		14.	श्री अशोक चौरसिया
		15.	श्री किंगजोर केरकेट्टा
		16.	श्री के. के. सिंह

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जी. आर. मालवीय, उप-सचिव.

ग्रामोद्योग विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 27 अगस्त 2012

क्रमांक एफ 1-3/2012/(6)52.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, एतद्द्वारा, भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान सेवा की चतुर्थ श्रेणी सेवा की भर्ती की पद्धति तथा क्षेत्र को विनियमित करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

नियम

1. **संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ :—**

    (1) ये नियम भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान सेवा की (चतुर्थ श्रेणी) सेवा भर्ती नियम, 2012 कहलायेंगे.

    (2) ये नियम राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

2. **लागू होना :—** ये नियम अनुसूची के कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे.

3. **वर्गीकरण तथा वेतनमान इत्यादि :—** सेवा का वर्गीकरण, सेवा में सम्मिलित पदों की संख्या तथा उससे संलग्न वेतनमान, पदों पर भर्ती का तरीका, आयु सीमा और उक्त पदों के संबंध में सेवा की अन्य शर्तें अनुसूची में विनिर्दिष्ट अनुसार होंगे.

4. **शिथिलीकरण :—** इन नियमों में की, किसी भी बात का यह अर्थ नहीं लगाया जायेगा कि वह किसी ऐसे व्यक्ति के मामले में, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, ऐसी रीति से कार्यवाही करने की राज्यपाल की शक्ति को, जो उसे न्यायसंगत एवं उचित प्रतीत हो, सीमित या कम करती है :

    परन्तु कोई मामला ऐसी रीति से नहीं निपटाया जायेगा, जो इन नियमों में उपबंधित रीति की अपेक्षा उसके लिए कम अनुकूल हो.

5. **व्यावृत्ति :—** इन नियमों में की, कोई भी बात, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, ऐसे शासकीय सेवक जिनकी मृत्यु सेवावधि के दौरान हुई हो, के परिवार के किसी एक सदस्य को अनुकम्पा नियुक्ति, विकलांग तथा व्यक्तियों की अन्य श्रेणियों के लिये उपबंधित किये जाने हेतु अपेक्षित आरक्षण तथा अन्य शर्तों को प्रभावित नहीं करेगी तथा राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार होगी.

6. **निरसन :—** इन नियमों के तत्स्थानी और इनके प्रारंभ होने के ठीक पूर्व प्रवृत्त समस्त नियम, इन नियमों के अन्तर्गत आने वाले विषयों के संबंध में एतद्द्वारा निरसित किये जाते हैं.

    परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन दिया गया कोई भी आदेश या की गई कोई भी कार्रवाई, इन नियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन दिया गया आदेश या की गई कार्रवाई समझी जायेगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
रेजीना टोप्पो, उप-सचिव.

अनुसूची

सीधी भर्ती हेतु

स. क्र.	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान एवं ग्रेड पे	भर्ती का तरीका सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त पदों का प्रतिशत	आयु सीमा न्यूनतम/ अधिकतम	विहित शैक्षणिक अर्हता	परिवीक्षा की कालावधि यदि कोई हो	सीधी भर्ती के लिये विहित आयु सीमा तथा शैक्षणिक अर्हता पदोन्नति के मामले में लागू होगी	पदोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में, पद जिनसे पदोन्नति/ स्थानान्तरण किया जाना है	सीधी भर्ती तथा पदोन्नति हेतु चयन समिति	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
1.	लैब अटेंडेंट	02	चतुर्थ श्रेणी	वेतन बैंड रु. 5200-20200 +ग्रेड वेतन रु. 1800	100% सीधी भर्ती द्वारा	18 से 30 (छत्तीसगढ़ के नागरिकों के लिये आयु 18 से 35 वर्ष तक)	10वीं उत्तीर्ण	2 वर्ष	कॉलम क्र. 7 से 9	-	चतुर्थ श्रेणी के पद :- 1. संयुक्त संचालक-अध्यक्ष (हथकरघा प्रभाग) 2. उप संचालक - सदस्य 3. प्राचार्य भारतीय-सदस्य हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान.	

रायपुर, दिनांक 27 अगस्त 2012

क्रमांक एफ 1-3/2012/(6)52.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 1-3/2012/(6)52 दिनांक 27 अगस्त 2012 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
रेजीना टोप्पो, उप-सचिव.

Raipur, the 27th August 2012

No. F 1-3/2012/(6) 52.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Government of Chhattisgarh, hereby makes the following rules regulating the method and Field of recruitment of Class IV services on the Establishment of the Indian Institute of Handloom Technology Services, namely :—

RULES

1. **Short Title and Commencement :—**
   (1) These rules may be called the Indian Institute of Handloom Technology Services (Class-IV) Service Recruitment Rules, 2012.

   (2) These Rules shall come into force with effect from the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application :—** These Rules shall apply to the posts specified in column (2) of the Schedule.

3. **Classification and Scale of Pay etc :—** The Classification of the service, the number of posts included in the service, and the scale of pay attached thereto, method of recruitment to the posts, age limit and other conditions of service relating to the said post shall be as specified in the Schedule.

4. **Relaxation.—** Nothing in these rules shall be construed to limit or abridge the power of the Governor to deal with the case of any person, to whom these rules apply in such manner, as may appear to it to be just and proper :

   Provided that the case shall not be dealt with not dealt with in any manner less favourable to him than that provided in these rules.

5. **Saving :—** Nothing in these rules shall effect reservation and other conditions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes, Ex-serviceman, compassionate appointment of a member of the family of a Government servant who has dies in harness, disabled and other categories of persons in accordance with the orders issued by the State Government from time to time in this regard.

6. **Repeal :—** All rules Corresponding to these rules and in force immediately before the commencement of these rules are hereby repealed in respect of matters covered by these rules.

   Provided that any order made or any action taken under rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
REGINA TOPPO, Deputy Secretary.

SCHEDULE

For Direct Recruitment

S. No.	Name of Post	Number of Post	Classi-fication	Scale of Pay and Grade Pay	Method of recruitment percentage of vacant posts to be filled by direct recruitment or by promotion or by transfer and by different methods	Age limit Minimum/ Maximum	Prescribed Educational quali-fication	Period of probation Trial if any	Whether in the case of promotion prescribed limit age and educational qualification to the direct recruitment will be apply	In case of recruitment by promotion or transfer post from which promotion transfer will be made	Selection Committee for Direct Recruitment amd promotion	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
1.	Lab Attendent	02	Class-IV	Pay Band Rs. 5200-20200 + Grade Pay Rs. 1800	100% by direct Recruitment	18 to 30 years (Age for citizen of Chhattisgarh upto 18 to 35 years)	10th Pass	2 years	Column No. 7 to 9	-	The post of Class-IV category:— 1. Joint Director-Chairman (Handloom Sector) 2. Deputy Director-Member 3. Principal, Indian-Member Institute of Handloom Tech-nology.	

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 21 अगस्त 2012

क्रमांक एफ 1-20/2009/11/(6).—भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, एतद्द्वारा, छत्तीसगढ़ वाष्पयंत्र निरीक्षकालय सेवा कीं स्थापना में चतुर्थ श्रेणी सेवा की भर्ती की पद्धति तथा क्षेत्र को विनियमित करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

नियम

1. **संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ :—**

   (1) ये नियम छत्तीसगढ़ वाष्पयंत्र निरीक्षकालय चतुर्थ श्रेणी सेवा भर्ती नियम, 2012 कहलायेंगे.

   (2) ये नियम राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

2. **लागू होना :—** ये नियम अनुसूची के कॉलम (2) में विनिर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे.

3. **वर्गीकरण तथा वेतनमान इत्यादि :—** सेवा का वर्गीकरण, सेवा में सम्मिलित पदों की संख्या तथा उससे संलग्न वेतनमान, पदों में भर्ती का तरीका, आयु सीमा और उक्त पदों के संबंध में सेवा की अन्य शर्तें अनुसूची में विनिर्दिष्ट अनुसार होंगे.

4. **शिथिलीकरण :—** इन नियमों में दी गई किसी बात का यह अर्थ नहीं लगाया जायेगा कि वह ऐसे व्यक्ति के मामले में, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, ऐसी रीति से कार्यवाही करने की राज्यपाल की शक्ति को, जो उसे न्यायसंगत एवं उचित प्रतीत हो, सीमित या कम करती है :

   परन्तु कोई मामला ऐसी रीति से नहीं निपटाया जायेगा, जो इन नियमों में उपबंधित रीति की अपेक्षा उसके लिए कम अनुकूल हो.

5. **व्यावृत्ति :—** इन नियमों में दी गई कोई भी बात, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, ऐसे शासकीय कर्मचारी जिसकी मृत्यु सेवावधि के दौरान हुई हो, के परिवार के किसी एक सदस्य को अनुकम्पा नियुक्ति, निःशक्त तथा अन्य व्यक्तियों जो अन्य श्रेणियों से संबंधित हो, के लिये उपबंधित आरक्षण तथा अन्य शर्तों को प्रभावित नहीं करेगी तथा राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार होगी.

6. **निरसन :—** इन नियमों के तत्स्थानी और इन नियमों के प्रारंभ होने के ठीक पूर्व प्रवृत्त समस्त नियम, इन नियमों के अन्तर्गत आने वाले विषयों के संबंध में एतद्द्वारा निरसित किये जाते हैं :

   परन्तु इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन दिया गया कोई भी आदेश या की गई कोई कार्रवाई, इन नियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन दिया गया आदेश या की गई कार्रवाई समझी जायेगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
व्ही. के. छबलानी, विशेष सचिव.

अनुसूची

सीधी भर्ती हेतु

स. क्र.	पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान तथा ग्रेड वेतन	भर्ती का तरीका सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न तरीकों से भरे जाने वाले रिक्त पदों का प्रतिशत	आयु सीमा न्यूनतम/ अधिकतम	विहित शैक्षणिक अर्हता	परिवीक्षा परीक्षण की कालावधि, यदि कोई हो	क्या सीधी भर्ती के लिये विहित आयु सीमा तथा शैक्षणिक अर्हता पदोन्नति के मामले में लागू होगी	पदोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में पद जिनसे पदोन्नति/ स्थानान्तरण किया जायेगा	सीधी भर्ती तथा पदोन्नति के लिए चयन समिति	टिप्पणियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
1.	भृत्य	04	चतुर्थ श्रेणी	वेतन बैंड रु. 4750-7440 +ग्रेड वेतन रु. 1300	100% सीधी भर्ती द्वारा	18 से 30 वर्ष (छत्तीसगढ़ के नागरिकों के लिये आयु 18 से 35 वर्ष तक)	8वीं उत्तीर्ण	2 वर्ष	कॉलम क्र. 7 से 9	5 वर्ष निरंतर सेवा	चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के पद :- 1. उद्योग संचालक/- अध्यक्ष आयुक्त. 2. संयुक्त संचालक- सदस्य 3. मुख्य वाष्प निरीक्षक-सदस्य उद्योग संचालक/आयुक्त समिति के अध्यक्ष होंगे. इस मामले में यदि सदस्य नाम निर्देशित नहीं हो तो आयुक्त/ संचालक, ऐसे अधिकारी को नाम निर्देशित करेगा, जो उप-संचालक की श्रेणी से निम्न का न हो.	

Raipur, the 21st August 2012

No. F 1-20/2009/11/(6).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Chhattisgarh, hereby, makes the following rules regulating the method and field of recruitment of Class IV services on the establishment of the Chhattisgarh Boiler Inspectorate Services, namely :—

RULES

1. **Short Title and Commencement :—**

(1) These rules may be called the Chhattisgarh State Boiler Inspectorate Class-IV Service Recruitment Rules, 2012.

(2) These rules shall come into force with effect from the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Application :—** These Rules shall apply to the posts specified in column (2) of the Schedule.

3. **Classification and Scale of Pay etc :—** The Classification of the service, the number of posts included in the service, and the scale of pay attached thereto, the method of recruitment to the posts, age limit and other conditions of service relating to the said posts shall be as specified in the Schedule.

4. **Relaxation.—** Nothing in these rules shall be construed to limit or abridge the power of the Governor to deal with the case of any person, to whom these rules apply in such manner, as may appear to it to be just and proper :

Provided that the case shall not be dealt with in any manner less favourable to him than that provided in these rules.

5. **Saving :—** Nothing in these rules shall affect reservation and other conditions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes, Ex-serviceman, compassionate appointment of a member of the family of a Government servant who has dies in harness, disabled and other categories of persons in accordance with the orders issued by the State Government from time to time in this regard.

6. **Repeal :—** All rules corresponding to these rules and in force immediately before the commencement of these rules are herby repealed in respect of matters covered by these rules.

Provided that any order made or any action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
V. K. CHHABLANI, Special Secretary.

SCHEDULE

For Direct Recruitment

S. No.	Name of Post	Number of Post	Classification	Scale of Pay and Grade Pay	Method of recruitment percentage of vacant posts to be filled by direct recruitment or by promotion or by transfer and by different methods	Age limit Minimum/ Maximum	Prescribed Educational qualification	Period of probation Trial if any	Whether in the case of promotion prescribed limit age and educational qualification to the direct recruitment will be apply	In case of recruitment by promotion or transfer post from which promotion transfer will be made	Selection Committee for Direct Recruitment and promotion	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
1.	Peon	04	Class-IV	Pay Band Rs. 4750-7440 + Grade Pay Rs. 1300	100% by direct Recruitment	18 to 30 years (Age for citizen of Chhattisgarh upto 18 to 35 years)	8th Pass	2 years	Column No. 7 to 9	5 year continuous service.	The post of Class-IV category:— 1. Director/ Commissioner of Industries. - Chairman 2. Joint Director - Member 3. Chief Inspector-Member of Boilers. Director/Commissioner of Industries will be Chairman of the Committee. In case if a member is not nominated then the Director/ Commissioner shall nominate the names of the officers who will not be below the rank of Deputy Director.	

रायपुर, दिनांक 23 अगस्त 2012

क्रमांक एफ 8-6/2007/11/(6).—इंडियन बायलर्स एक्ट, 1923 की धारा 34 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य शासन एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी मर्यादित कोरबा के बॉयलर क्रमांक-M.P./3530 को दिनांक 05-07-2012 से 04-08-2012 (1 माह) तक निम्नलिखित शर्तों पर उक्त अधिनियम की धारा 6 (सी) के उपबंधों के प्रवर्तन से अतिरिक्त छूट प्रदान करता है :—

(1) संदर्भाधीन बायलर को पहुंचने वाली किसी भी हानि की सूचना भारतीय बायलर अधिनियम, 1923 की धारा 18 (1) की अपेक्षानुसार तत्काल बायलर निरीक्षक/मुख्य निरीक्षक, वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ को दी जावेगी एवं दुर्घटना होने के दिनांक से छूट की मान्यता समाप्त समझी जावेगी.

(2) उक्त अधिनियम की धारा 12 तथा 13 की अपेक्षानुसार मुख्य निरीक्षक, वाष्पयंत्र, छत्तीसगढ़ के पूर्वानुमोदन के बिना संदर्भाधीन बायलर में किसी प्रकार का संरचनात्मक परिवर्तन अथवा नवीनीकरण नहीं किया जावेगा.

(3) संदर्भाधीन बायलर का सरसरी दृष्टि से निरीक्षण किये जाने पर यदि वह खतरनाक स्थिति में पाया गया तो यह छूट समाप्त हो जावेगी.

(4) नियतकालीन सफाई और नियमित रूप से गैस निकालने (रेगुलर ब्लोडाउन) का कार्य किया जावेगा और उसका अभिलेख रखा जावेगा.

(5) छत्तीसगढ़ बायलर निरीक्षण नियम, 1966 के नियम 6 की अपेक्षानुसार संदर्भाधीन बायलर के संबंध में वार्षिक निरीक्षण शुल्क देय होने पर अग्रिम दी जावेगी, एवं

(6) यदि राज्य शासन आवश्यक समझे तो प्रश्नांकित छूट में संशोधन कर सकता है अथवा उसे वापिस ले सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
व्ही. के. छबलानी, विशेष सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

बस्तर, दिनांक 5 मार्च 2012

क्रमांक क/भू-अर्जन/01/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (1) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बस्तर	तोकापाल	बुरूंगपाल प. ह. नं. 10	4.02	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर बस्तर संभाग, क्रमांक-1, जगदलपुर.	जगदलपुर बायपास मार्ग निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/भू-अर्जन अधिकारी, तोकापाल अथवा कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर बस्तर संभाग, क्रमांक-1, जगदलपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बस्तर, दिनांक 5 मार्च 2012

क्रमांक क/भू-अर्जन/03/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (1) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बस्तर	तोकापाल	डोंगरीगुड़ा प. ह. नं. 10	7.58	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर बस्तर संभाग, क्रमांक-1, जगदलपुर.	जगदलपुर बायपास मार्ग निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/भू-अर्जन अधिकारी, तोकापाल अथवा कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर बस्तर संभाग, क्रमांक-1, जगदलपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बस्तर, दिनांक 5 मार्च 2012

क्रमांक क/भू-अर्जन/04/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (1) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बस्तर	तोकापाल	बडेमारेंगा प. ह. नं. 09	1.08	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर बस्तर संभाग, क्रमांक-1, जगदलपुर.	जगदलपुर बायपास मार्ग निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/भू-अर्जन अधिकारी, तोकापाल अथवा कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर बस्तर संभाग, क्रमांक-1, जगदलपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बस्तर, दिनांक 5 मार्च 2012

क्रमांक क/भू-अर्जन/05/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (1) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बस्तर	तोकापाल	तेलीमारेंगा प. ह. नं. 09	1.76	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर बस्तर संभाग, क्रमांक-1, जगदलपुर.	जगदलपुर बायपास मार्ग निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/भू-अर्जन अधिकारी, तोकापाल अथवा कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर बस्तर संभाग, क्रमांक-1, जगदलपुर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अन्बलगन पी. कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 17 अगस्त 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 16/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता हैं कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	घरघोड़ा	भेन्ड्रा प. ह. नं. 17	0.402	मुख्य प्रबंधक, पावर ग्रिड कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, तमनार.	765 / 400 के.व्ही. उपकेन्द्र निर्माण हेतु पूरक भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीयें अधिकारी राजस्व, घरघोड़ा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 17 अगस्त 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 20/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	धरमजयगढ़	महाराजगंज प. ह. नं. 46	0.898	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग, रायगढ़.	बगुरसुता महाराजगंज मुनुंद मार्ग पर माण्ड नदी पुल के पहुंच मार्ग हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), धरमजयगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 17 अगस्त 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 21/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	धरमजयगढ़	मुनुंद प. ह. नं. 45	0.85	कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग, रायगढ़.	बंगुरसुता महाराजगंज मुनुंद मार्ग पर माण्ड नदी पुल के पहुंच मार्ग हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), धरमजयगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अमित कटारिया, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला धमतरी, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

धमतरी, दिनांक 19 जुलाई 2012

क्रमांक 6047/भू-अर्जन/02/अ/82/वर्ष 2008-09.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-धमतरी
- (ख) तहसील-मगरलोड
- (ग) नगर/ग्राम-मोंहदी
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.97 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	851	0.10
	854	0.01
	859	0.05
	857	0.03
	856	0.04
	799	0.04
	862/2	0.05
	862/1	0.05
	862/3	0.18
	862/4	0.15
	847/2	0.04
	844	0.02
	403	0.07
	861	0.20
	863	0.02
	867	0.02
	404	0.02
	396	0.02
	395/1	0.02
	395/2	0.02
	395/3	0.01
	394	0.02
	226	0.01
	225/1	0.07
	225/2	0.07
	408	0.03
	218	0.12
	197/1	0.12
	197/2	0.05
	215	0.02
	198/1	0.02
	198/2	0.01
	212	0.01
	204/1	0.08
	203	0.01
	207	0.04
	208	0.09
	206	0.04
योग	38	1.97

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बिलोरा जलाशय योजना के नहर निर्माण कार्य.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, कुरूद के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. प्रकाश, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बस्तर, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बस्तर, दिनांक 14 अगस्त 2012

क्रमांक क/भू-अर्जन/02/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-बस्तर

(ख) तहसील-बस्तर

(ग) नगर/ग्राम-सालेमेटा, प. ह. नं. 01

(घ) लगभग क्षेत्रफल-1.10 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	58	1.10
योग	1	1.10

(2) सार्वजनिक प्रयोजन का नाम-कोसारटेडा मध्यम सिंचाई परियोजना अन्तर्गत बांध (डुब क्षेत्र) निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) आदि का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/भू-अर्जन अधिकारी, बस्तर अथवा कार्यपालन अभियंता, टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अन्बलगन पी. कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 25 जुलाई 2012

क्रमांक 06/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

(ख) तहसील-कोटा

(ग) नगर/ग्राम-केनाडाड़, प. ह. नं. 02

(घ) लगभग क्षेत्रफल-14.17 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
205/6	0.25
205/4, 205/16	0.35
206	0.08
205/3	0.05
196/5	0.24
201/1, 203/3, 196/3	0.59
202/3, 203/2	0.07
202/2, 203/1	0.05
196/2	0.16
196/4, 196/6	0.54
227/2क	0.02
227/1	0.24
244/6	0.07
231/2	0.12
228/1	0.18
231/1	0.21
226/10ख	0.07
230/4	0.12
231/3	0.05
237/1ङ	0.12
237/1च	0.12
237/1छ	0.07
237/1झ	0.05
237/1ख	0.05
237/1ज	0.21
237/1क	0.07
237/1घ	0.10
237/1ग	0.21
241	0.23
244/5	0.03
131	0.32
157	0.28
244/10	0.23
149/3क	0.05
149/5क	0.12
149/3ख	0.17
142/1क	0.10
142/4ख	0.12
149/3ग	0.05
149/3घ	0.18
149/3ङ	0.16
149/5ख	0.05
155/3ख	0.02
138/7ठ	0.11
149/1ग	0.06

(1)	(2)
155/1च	0.10
142/2क	0.12
149/1ख	0.07
142/7	0.13
155/2ङ	0.10
138/5ख	0.08
142/8	0.14
71/1	0.30
140/1	0.22
142/6ख	0.12
149/3च	0.05
149/3छ	0.19
149/5ग	0.12
155/3ग	0.10
140/2	0.10
155/2ख	0.10
138/7च	0.08
155/2ग	0.10
138/7झ	0.07
155/2घ	0.10
40/4	0.20
132/1	0.27
44/3	0.11
70, 101/3	0.07
120/2	0.05
42	0.05
101/2	0.06
120/1	0.05
122/3, 123	0.30
122/1	0.12
65/1	0.42
43	0.15
61	0.20
67	0.13
100	0.13
68	0.44
40/2	0.20
23/1	0.09
23/2	0.13
24	1.15
26/1	0.53
27/7	0.09
40/3	0.12
योग	14.17

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-जेवस व्यपवर्तन योजना मुख्य नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.), कोटा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 25 जुलाई 2012

क्रमांक 07/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
- (ख) तहसील-कोटा
- (ग) नगर/ग्राम-केनाडाड, प. ह. नं. 02
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.34 एकड़

खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
85/1	0.08
73/2	0.06
72/4	0.08
85/2	0.18
88/1	0.16
88/2	0.19
89/1	0.04
89/4	0.03
107/2	0.07
110/1	0.19
118	0.04
89/3	0.10

(1)	(2)
107/1	0.05
90/2	0.16
106/5	0.03
91	0.04
119	0.12
108	0.09
106/4	0.06
106/6	0.04
122/1	0.21
90/1	0.13
74/1	0.12
122/2, 123	0.07
योग	2.34

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-केनाडाड माइनर नहर निर्माण क्रमांक 2 हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.), कोटा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 25 जुलाई 2012

क्रमांक 09/अ-[illegible]2/2011-12.--चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
- (ख) तहसील-कोटा
- (ग) नगर/ग्राम-मझगवां, प. ह. नं. 03
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.59 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
320/12	0.02
320/15	0.01
320/1	0.07
320/13	0.05
276/1	0.09
320/3	0.08
307/4, 424/2	0.11
270, 320/7	0.10
271	0.33
272/1	0.07
275/1	0.14
306	0.08
308/1	0.12
308/2	0.12
309/3	0.04
307/3	0.05
278	0.10
303/1	0.08
303/2	0.03
302/1	0.05
300/1	0.03
301/1	0.06
301/2	0.06
296/2	0.18
296/1	0.07
296/3	0.04
296/6	0.07
268	0.09
314/1	0.02
313	0.12
300/2	0.05
302/2	0.06
योग	2.59

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-जेवस व्यपवर्तन योजना माइनर नहर निर्माण क्रमांक 4 हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.), कोटा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 25 जुलाई 2012

क्रमांक 10/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
- (ख) तहसील-कोटा
- (ग) नगर/ग्राम-मझगवां, प. ह. नं. 03
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-4.25 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
443/1	0.09
507/2	0.01
186/7ख	0.02
186/6क	0.02
186/6ख	0.05
442/9, 442/14	0.02
471/3	0.08
442/8, 442/18	0.02
471/1	0.03
442/6, 442/15	0.02
442/7, 442/16	0.07
510/5	0.07
441/1	0.06
470	0.09
488/1	0.05
499/2	0.17
472	0.10
493/2	0.09
471/2	0.08
473	0.14
482	0.09
483/3	0.06
474	0.14
483/1	0.06
485/1, 485/2	0.09
508, 509/2	0.14
484	0.18
507/3	0.03
507/8	0.10
507/18	0.02
507/6	0.02
507/17	0.08
507/19	0.02
504	0.03
507/1	0.09
507/5	0.11
410, 411	0.09
414	0.09
415	0.03
416	0.03
417	0.12
487	0.10
491	0.07
494	0.03
492	0.06
412	0.10
490/2	0.08
493/1क	0.06
493/1ख	0.05
330/1	0.14
329/1, 331/1	0.06
329/2, 331/2	0.06
322/2	0.05
500/1	0.07
507/4	0.03
507/7	0.07
483/2	0.06
490/1	0.26
योग	4.25

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-जेवस व्यपवर्तन योजना माइनर नहर निर्माण क्रमांक-3 हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.), कोटा के कार्यालय में किया जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 1 अगस्त 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 03/अ-82 वर्ष 2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
- (ख) तहसील-बिल्हा
- (ग) नगर/ग्राम-कुंआपाली
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-14.90 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
39/2	0.11
40	0.03
70/1	0.36
213	0.10
214	0.13
71/1	0.44
270	0.19
95	0.48
222	0.10
98/1	0.64
268/2	0.78
102	0.63
260/4, 261/4, 259/4	0.40
259/3, 260/3, 261/3	0.50
257/4	0.28
257/5	0.45
257/3ग	0.21
218	1.00
215/2	0.12
217/1	0.15
217/2	0.15
216/2	0.15
201	0.05
216/1	0.60
221/1	0.48
189/2	0.05
188	0.10
221/2	0.29
445	0.21
446/1	0.21
187/1क	0.18
187/1ख	0.08
166	0.30
165	0.29
164	0.28
429	0.55
432/1	0.40
432/2	0.06
433/4	0.34
448	0.14
449	0.10
450	0.09
452	0.11
453	0.17
444	0.45
439/1ख	0.79
439/1ग	0.22
439/1क	0.36
440	0.05
454	0.08
98/3	0.47
योग	14.90

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बिलासपुर व्यपवर्तन योजना के मोहतरा वितरक नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, बिल्हा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
रामसिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

कबीरधाम, दिनांक 12 अप्रैल 2012

क्रमांक/446/रा.नि./भू-अर्जन/2012.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
- (ख) तहसील-पंडरिया
- (ग) नगर/ग्राम-कंझेटा, प. ह. नं. 56
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.301 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	379/2	0.028
	379/1	0.065
	415/1	0.036
	415/2	0.061
	415/3	0.052
	418/2	0.052
	416	0.052
	425/1	0.073
	378	0.049
	419/2	0.041
	421/2	0.052
	421/4	0.052
	424	0.073
	426/1	0.097
	377	0.036
	425/2	0.049
	440	0.061
	438/1, 439/1	0.036
	438/2, 439/2	0.032
	434	0.069
	427/1	0.049
	427/2	0.041
	435	0.089
	422/3	0.036
	433/1	0.020
योग	25	1.301

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की निर्मित सड़क निर्माण कार्य हेतु प्रभावित.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पंडरिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
मुकेश बंसल, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 7 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 56/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-पुसौर
- (ग) नगर/ग्राम-छातामुड़ा
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.075 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
649	0.008

(1)	(2)
739	0.077
747/4	0.065
737	0.049
650	0.008
747/1	0.024
748	0.073
656/3	0.020
654/1	0.246
747/2	0.036
749/4	0.104
736/6	0.093
735/1	0.105
749/1	0.057
655	0.065
738/1	0.045
योग 16	1.075

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-केलो परियोजना टेंगापाली वितरक नहर के अंतर्गत सहदेवपाली माइनर नहर के निर्माण हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 7 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 57/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-रायगढ़

(ख) तहसील-पुसौर

(ग) नगर/ग्राम-पड़िगांव

(घ) लगभग क्षेत्रफल-7.399 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
298/1	0.145
302/1	0.129
1349/1	0.004
1245/13	0.052
1244/2	0.077
1245/1	0.170
1245/6	0.093
1271/4	0.234
1351	0.041
125/1	0.261
127/1	0.045
172/3क	0.024
171/1	0.024
171/5	0.121
284/6	0.081
289	0.020
300/2	0.081
302/25	0.077
1243/7	0.024
1245/15	0.049
1245/12	0.109
1261/2	0.024
1245/5	0.061
1271/6	0.089
1418/1	0.121
125/2	0.089
127/11	0.036
167/1	0.098
171/2	0.097
281/2	0.028
285	0.101
290	0.222
300/5	0.061
302/2ख	0.077
1243/8	0.028
1245/16	0.097
1264/2	0.049
1264/1	0.121
1245/21	0.138
1272/1	0.125
1241/3	0.218
126/1	0.049
127/3	0.190
167/4	0.101

(1)	(2)
171/4	0.065
282/1	0.166
288/3, 288/5	0.142
310/1	0.089
300/18	0.065
1243/3	0.065
1244/1	0.097
1261/3	0.020
1265/2	0.196
1265/1	0.255
1261/4	0.041
1350/1	0.170
121	0.220
126/2	0.064
164/3ख	0.049
167/3	0.016
171/3	0.045
284/2	0.036
288/8	0.101
310/2	0.041
1120/2	0.081
1127	0.085
1170/2ग	0.073
1171/3क	0.012
1172/2	0.089
1124/2	0.008
1130/3	0.036
1170/2क	0.049
1171/4क	0.032
1170/2घ	0.008
1124/3	0.049
1131/1	0.097
1171/1	0.049
1171/1ख	0.032
1126/1	0.073
1168/1	0.049
1172/1	0.061
1171/5	0.085
योग 91	7.399

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-केलो परियोजना के तेलीपाली वितरक नहर के अंतर्गत माइनर नहर के निर्माण हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 9/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
 (क) जिला-रायगढ़
 (ख) तहसील-सारंगढ़
 (ग) नगर/ग्राम-रापागुला, प.ह.नं. 15
 (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.363 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
42	0.008
53	0.048
50/2	0.056
364/1	0.025
168/1ड	0.016
382/1घ	0.020
238/2	0.132
124/1	0.040
364/5	0.016
119/2	0.032
90/4	0.036
45	0.008
15	0.020
25	0.080
7/1	0.060
389	0.044
385	0.072
384/4	0.008
384/2ग	0.032
367/2	0.052
365/4	0.012
321/1	0.020
47/2	0.008
49	0.016
56	0.070
388	0.052
168/1घ	0.016

(1)	(2)
151	0.065
124/2	0.040
197/2	0.057
152/2	0.012
19	0.040
89/3	0.025
45	0.080
46/1	0.054
20/1	0.012
86	0.036
11/1	0.081
384/2	0.008
384/1ग	0.012
382/2ग	0.032
365/2	0.012
364/2	0.025
323/2	0.036
47/3	0.004
52/2	0.016
196/1	0.016
168/1क	0.040
168/1ग	0.068
125	0.048
131	0.089
164/4	0.016
365/1	0.012
120	0.052
89/2	0.040
48/3	0.025
24	0.076
22/2	0.012
88	0.028
22/1	0.012
384/3	0.008
382/2क	0.032
119/3	0.028
90/2	0.040
47/2	0.004
7/2	0.016
19/7	0.032
20/2	0.008
384/1	0.008
382/1क	0.040
382/1ख	0.012
367/3	0.025
365/6	0.012
321/2	0.036
45	0.008
51	0.016
1/2	0.120
196/3	0.016
154	0.025
390	0.032
365/1	0.012
198/1	0.025
118/2	0.032
15	0.008
47/4	0.025
367/1	0.025
365/3	0.012
364/3	0.025
238/1	0.044
149/2	0.025
12	0.020
118/1स	0.068
153/2	0.012
214	0.016
16	0.012
13	0.020
118/3	0.028
153/3	0.012
215	0.008
17	0.012
14/3	0.020
150/1	0.025
153/4	0.012
19/3	0.081
14/2	0.045
150/2	0.025
212	0.016
योग 107	3.363

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बोरिद व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर निर्माण हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 10/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-रायगढ़
(ख) तहसील-सारंगढ़
(ग) नगर/ग्राम-बोरिद, प.ह.नं. 15
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.349 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	14	0.060
	7/8	0.004
	7/2	0.029
	1	0.008
	1	0.008
	211	0.060
	1	0.004
	1	0.008
	2/1	0.004
	211	0.008
	211	0.004
	4	0.020
	211	0.004
	211	0.012
	4	0.004
	4	0.008
	7/2	0.004
	7/1	0.020
	4	0.004
	4	0.020
	3/7क	0.004
	7/3क	0.008
	1	0.032
	4	0.012
योग	24	0.349

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बोरिद व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर निर्माण हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 11/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-रायगढ़
(ख) तहसील-सारंगढ़
(ग) नगर/ग्राम-खैरहा, प.ह.नं. 15
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.197 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	419	0.089
	415	0.076
	4/11	0.032
योग	3	0.197

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बोरिद व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर निर्माण हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 12/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
 (क) जिला-रायगढ़
 (ख) तहसील-सारंगढ़
 (ग) नगर/ग्राम-जूनाडीह, प.ह.नं. 15
 (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.677 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
	133/1क	0.004
	16/1क	0.096
	18/3	0.036
	131/2	0.052
	19/3	0.068
	133/1ख	0.096
	18/4	0.025
	18/2ख/2	0.016
	19/2	0.040
	20/1	0.012
	18/2घ	0.040
	18/1	0.032
	19/3	0.032
	133/3	0.004
	130/2	0.040
	18/2क/2	0.004
	19/4	0.040
	19/2	0.040
योग	18	0.677

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बोरिद व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर निर्माण हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 13/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
 (क) जिला-रायगढ़
 (ख) तहसील-सारंगढ़
 (ग) नगर/ग्राम-सराईपाली, प.ह.नं. 15
 (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.022 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
191/2क	0.024
77/1क	0.025
191/1ख	0.024
190/3ख	0.024
78/1	0.012
34	0.162
34	0.092
191/2ख	0.028
75/2	0.069
191/1	0.025
37/1	0.077
191/3ग	0.024
31	0.025
191/1ग	0.028
191/3घ	0.028
190/2ख	0.024
190/3ख	0.024
35	0.061
190/4	0.044
78/1	0.012
38/2	0.093
77/3ख	0.049
190/2ख	0.024

	(1)	(2)
	191/1क	0.024
योग	24	1.022

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बोरिद व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर निर्माण हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 14/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-अमलीडीपा नहर, प.ह.नं. 26
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.110 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	1/1	0.097
	4	0.113
	7/2	0.06
	14, 15, 17/2ख	0.290
	24	0.081
	197/2	0.056
	359/1क	0.092
	200/2	0.004
	362	0.024
	364/2	0.048
	196, 17/4क	0.004
	7/1	0.008
	8, 10/1	0.016
	339, 340, 341, 348, 349/3	0.121
	17/1क, 17/4घ, 196	0.089
	339, 340, 341, 348, 349/3	0.036
	359/1ग.	0.040
	9	0.020
	8, 10/1	0.044
	365	0.041
	2/2	0.028
	266	0.024
	8, 10/1	0.04
	16	0.036
	17/4ख, 196	0.016
	17/4क, 196/2	0.016
	200/1	0.088
	346, 347/1	0.040
	363/2	0.020
	17/4, 196	0.028
	31/2	0.004
	360/1	0.073
	198	0.170
	360/2	0.070
	16, 17/1ख	0.069
	359/1ख	0.056
	32	0.024
	363/1	0.024
योग	38	2.110

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-अमलीडीपा जलाशय के नहर हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 15/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-अमलीडीपा हेडवर्क, प.ह.नं. 26
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.549 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	431, 432/1	1.036
	429	0.231
	430/2	0.809
	441/3	0.283
	435	0.190
योग	5	2.549

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-अमलीडीपा जलाशय के हेडवर्क हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 16/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-भद्रीउडान, प.ह.नं. 26
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.267 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	42	0.622
	116/3	0.283
	171/2	0.362
योग	3	1.267

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-अमलीडीपा जलाशय के हेडवर्क हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 17/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-बोरिद हेडवर्क, प.ह.नं. 15
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.068 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	14	0.068
योग	1	0.068

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-बोरिद व्यपवर्तन योजना के हेडवर्क हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 18/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-माधोपाली, प.ह.नं. 24
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.235 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	315/4	0.150
	316/1	0.033
	316/2	0.012
	318/1	0.040
योग	4	0.235

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-माधोपाली एनीकट योजना के हेडवर्क हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 19/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-सेमरापाली, प.ह.नं. 17
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.233 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	445, 347/3	0.081
	368/1, 347/2/4	0.048
	352/1	0.084
	354/2	0.020
योग	4	0.233

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-लाथनाला व्यपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य हेतु पूरक भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 20/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-भेडवन, प.ह.नं. 07
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.036 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	119/3	0.036
योग	1	0.036

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-मधुवन जलाशय योजना के नहर निर्माण हेतु पूरक भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 21/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-छर्रा, प.ह.नं. 28
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.065 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	384/3 क	0.065
योग	1	0.065

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-मधुवन जलाशय योजना के नहर निर्माण हेतु पूरक भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 22/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-सारंगढ़
- (ग) नगर/ग्राम-भीखमपुरा, प.ह.नं. 28
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.073 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	11/7	0.073
योग	1	0.073

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-मधुवन जलाशय योजना के नहर निर्माण हेतु पूरक भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 23/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-रायगढ़

(ख) तहसील-सारंगढ़

(ग) नगर/ग्राम-घोराघाटी, प.ह.नं. 17

(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.562 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	6	0.069
	8/2	0.069
	19/2	0.024
	32	0.138
	39	0.008
	72/4क	0.008
	7/3	0.437
	19/1	0.069
	21/2	0.138
	33	0.307
	15/1	0.016
	72/2घ	0.032
	40	0.125
	72/4ख	0.008
	8/1	0.226
	10	0.093
	21/3	0.114
	34	0.049
	72/2ग	0.037
	73	0.049
	12	0.194
	21/4	0.332
	35	0.020
योग	23	2.562

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-लाथनाला व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर डूबान हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 26 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 24/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-रायगढ़

(ख) तहसील-सारंगढ़

(ग) नगर/ग्राम-सालर, प.ह.नं. 19

(घ) लगभग क्षेत्रफल-9.279 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
46	0.041
321/1	0.154
572/2	0.178
112	0.008
576	0.008
212/1	0.082
117	0.194
33	0.049
208, 209, 210	0.065
48/2, 115/2	0.020
120/2, 122, 123	0.024
236	0.020
222	0.138
409	0.073
279/1	0.041
556/3	0.113
278/2	0.040
116	0.308
406	0.178
572/5	0.097
114	0.020
579	0.004
212/2, 213	0.069
269	0.202
119	0.065

(1)	(2)
554/4	0.020
175	0.202
583/2	0.045
239/2	0.036
408	0.360
269/2	0.162
279/2	0.056
238	0.057
269/3	0.162
273	0.158
276/2	0.061
598/2	0.194
267/1	0.234
572/4	0.122
172	0.462
573	0.036
584	0.144
278/3	0.113
181	0.162
322/2	0.348
267/2	0.024
274/2	0.016
234	0.077
237	0.041
261	0.008
239/4	0.036
277/2	0.146
598/1	0.097
121	0.073
277/3	0.089
324	0.154
554/1	0.081
555/2	0.032
575/6	0.097
585/2	0.129
278/1	0.178
330	0.069
554/3	0.024
556/2	0.045
276/1	0.085
277/4	0.162
185/3	0.162
572/1	0.028
585/1	0.243
211	0.028
321/2	0.032
239/3	0.032
575	0.138
120/1	0.024
555/4	0.041
176/1	0.154
232	0.057
266	0.016
574	0.113
270	0.024
322	0.210
331/1	0.097
555/1	0.028
557	0.061
586	0.028
221	0.222
554/2	0.028
407	0.307
555/3	0.032
572/3	0.178
595	0.008
योग 91	9.279

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-लाथनाला व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर निर्माण हेतु भू-अर्जन.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सारंगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 1 अगस्त 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 80/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-पुसौर
- (ग) नगर/ग्राम-रनभाठा, प.ह.नं. 40
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.999 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
104/1	0.065
104/2	0.016
105/2	0.024
105/1	0.069
106	0.141
372/4	0.057
372/2	0.012
717	0.129
372/3	0.012
372/5	0.073
373/1	0.045
375/2	0.057
611/1	0.121
374/1	0.032
377/2	0.097
611/3	0.053
707/3	0.089
370	0.073
415/2	0.081
377/1	0.097
409/1	0.016
408/1	0.069
431/1	0.150
431/2	0.049
432/1	0.045
432/2	0.028
593	0.036
592	0.045
612/1	0.045
613	0.004
614	0.020
623/1	0.004
611/2	0.041
624/1	0.041
374/[illegible]	0.020
404/10	0.302
624/2	0.049
625/1	0.024
625/2	0.049
628	0.004
608/1	0.004
608/3	0.008
608/2	0.004
626	0.153
687	0.069
684/1	0.004
684/2	0.008
686	0.036
685/1	0.024
688	0.041
691/3	0.024
719	0.057
718	0.218
312/2	0.041
716/3	0.065
703/10	0.045
703/9	0.101
704/2	0.045
704/3	0.049
704/4	0.049
704/7	0.049
708/1	0.049
708/2	0.109
707/1	0.105
707/2	0.105
707/4	0.024
706/5	0.004
416	0.041
376/1	0.024
622/1	0.004
415/1	0.024
695/2ख	0.032
योग 72	3.999

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-केलो परियोजना के अंतर्गत बालपुर माइनर नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान्) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अमित कटारिया, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला कोरबा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

कोरबा, दिनांक 5 जून 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 01/अ-82/2010-11.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-कोरबा
- (ख) तहसील-कटघोरा
- (ग) नगर/ग्राम-कनबेरी
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-7.708 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
369/2	0.178
369/3	0.081
369/4	0.081
402/10	0.121
407/2	0.121
409	0.526
410/13	0.380
426/1	1.007
426/2	0.065
426/3ग	0.061
426/4	0.081
428	0.073
429	0.518
430	0.113
432/2	0.405
433	0.121
434	0.348
435	0.299
436	0.798
438	0.032
439	0.526
440	0.648
441/2, 452/2	0.696
444/1	0.231
443/2	0.162
योग 24	7.708

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-विद्युत संयंत्र स्थापना हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 03/अ-82/2009-10.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-कोरबा
- (ख) तहसील-पोड़ी उपरोड़ा
- (ग) नगर/ग्राम-जुराली, प. ह. नं. 18
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-5.32 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
16/1ख	2.00
16/1छ	3.00
15	0.32
योग 3	5.32

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-कटघोरा व्यपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में देखा जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 06/अ-82/2007-08.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-कोरबा
- (ख) तहसील-पाली
- (ग) नगर/ग्राम-चैतमा, प. ह. नं. 02
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.471 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
54/1, 57/5, 58/5	0.040
55/2	0.020
57/4	0.404
64/1	0.364
64/2	0.040
64/3	0.202
160	0.138
162	0.049
166/1	0.081
166/6	0.121
54/3, 57/4, 58/1, 63	0.012
योग	1.471

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-चैतमा व्यपवर्तन योजना के बियर (शीर्ष कार्य) का निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 06/अ-82/2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-कोरबा
- (ख) तहसील-पोड़ी उपरोड़ा
- (ग) नगर/ग्राम-आमाखोखरा, प. ह. नं. 18
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.80 एकड़

	खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
	100/23	0.40
	100/20	0.75
	100/17	1.00
	100/52	0.55
	100/37	0.40
	100/21	0.20
	100/1झ	0.50
योग	7	3.80

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-कटघोरा व्यपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 09/अ-82/2008-09.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
 (क) जिला-कोरबा
 (ख) तहसील-पोड़ी उपरोड़ा
 (ग) नगर/ग्राम-जुराली, प. ह. नं. 18
 (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.87 एकड़

	खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
	(1)	(2)
	2/1क/3	3.87
योग	1	3.87

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-कटघोरा व्यपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 20/अ-82/2007-08.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
 (क) जिला-कोरबा
 (ख) तहसील-कटघोरा
 (ग) नगर/ग्राम-गंगदेई, प. ह. नं. 18
 (घ) लगभग क्षेत्रफल-9.43 एकड़

	खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
	(1)	(2)
	144	0.46
	145	0.16
	142/2	0.14
	147/1	0.16
	146/1	0.24
	142/4	0.13
	146/3	0.24
	147/3	0.17
	142/3	0.13
	146/2	0.24
	147/2	0.17
	143	0.78
	136	1.42
	139	0.55
	142	0.80
	134	0.33
	138/3	0.21
	138/2	0.81
	140	0.56
	138/1	1.00
	130	0.32
	131	0.41
योग	21	9.43

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-गंगदेई व्यपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 21/अ-82/2007-08.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमिं की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-कोरबा
(ख) तहसील-कटघोरा
(ग) नगर/ग्राम-कन्हैयाभांठा, प. ह. नं. 18
(घ) लगभग क्षेत्रफल-7.25 एकड़

	खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
	(1)	(2)
	356/1	0.01
	356/2	0.01
	322	0.50
	356/3	0.01
	356/4	0.01
	356/5	0.01
	356/6	0.01
	356/7	0.02
	356/8	0.02
	356/9	0.02
	330	0.30
	332	0.66
	356/10	0.02
	356/11	0.02
	356/2	0.20
	354/1क, 354/1ख, 354/1ग	0.85
	331/1	0.20
	331/2	0.56
	325/1, 326/1	0.06
	319/5	0.05
	325/5, 326/5	0.09
	319/3	0.10
	325/2, 326/2	0.30
	325/4, 326/4	0.09
	321/2	0.12
	319/2	0.05
	325/6, 326/6	0.09
	319/4	0.05
	328	0.46
	329	0.29
	323	0.24
	324/1	0.37
	320	0.34
	324/2	0.37
	319/1	0.05
	321/1	0.12
	325/3, 326/3	0.58
योग	37	7.25

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-गंगदेई व्यपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 21/अ-82/2007-08.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-कोरबा
(ख) तहसील-पाली
(ग) नगर/ग्राम-लिटियाखार, प. ह. नं. 18
(घ) लगभग क्षेत्रफल-6.37 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
33/2	1.72
43/1	0.40
42/4	0.55
47	1.00
46/1	0.36
46/2	0.36
42/2	0.36
43/3	0.30
48	0.70

	(1)	(2)
	49	0.10
	43/2	0.10
	43/3	0.05
	38, 39	0.10
	329/2	0.27
योग	14	6.37

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-लिटियाखार जलाशय योजना के उलट निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 22/अ-82/2007-08.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-कोरबा
- (ख) तहसील-कटघोरा
- (ग) नगर/ग्राम-नवागांव, प. ह. नं. 18
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.11 एकड़

	खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
	555/1, 569/1	0.25
	555/2, 569/2	0.90
	570	0.50
	571/1	0.26
	571/2	0.20
योग		2.11

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-गंगदेई व्यपवर्तन योजना शीर्ष कार्य निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

कोरबा, दिनांक 17 जुलाई 2012

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 32/अ-82/2007-08.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-कोरबा
- (ख) तहसील-पाली
- (ग) नगर/ग्राम-चैतमा, प. ह. नं. 02
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-4.025 हेक्टेयर

खसरा नम्बर (1)	रकबा (हेक्टेयर में) (2)
159	0.004
166/1	0.040
166/2	0.028
166/3	0.081
167, 168	0.053
169/1	0.012
931/1	0.049
931/2	0.049
931/3	0.053
933	0.049

(1)	(2)
937	0.032
938/1, 940/1	0.122
938/2	0.122
938/2ख, 940/2ख	0.081
938/3	0.040
1027	0.012
1028	0.040
1029	0.045
1039	0.077
1067	0.206
1070/1	0.004
1070/3	0.012
1070/4	0.012
1070/5	0.016
1070/6	0.012
1071	0.089
1074	0.024
1082	0.098
1086	0.045
1087	0.109
1095	0.057
1096	0.113
1098/1	0.004
1100	0.032
1100	0.028
1101	0.081
1104/2	0.081
1105	0.065
1108/1	0.061
1151/2	0.024
1156	0.053
1159	0.024
1161	0.008
1167, 1168	0.024
1169	0.004
1170	0.008
1174	0.008
1175	0.162
1185	0.122
1186	0.049
1187	0.020
1188	0.080
1189	0.004
1190	0.012
1205	0.085
1206	0.012
1207	0.004
1208	0.040
1209	0.024
1210	0.020
1211	0.024
1212	0.146
1217/1, 1299/1, 1301/2	0.081
1218/1	0.032
1218/2	0.008
1225/1	0.068
1273, 1274, 1275	0.122
1282/1	0.049
1282/3	0.004
1282/4	0.049
1283/2क	0.081
1283/2ख	0.040
1288	0.004
1291	0.053
1293	0.008
1294	0.040
1295/2	0.194
1295/1, 1296/1	0.024
1295/3, 1296/2	0.073
योग	4.025

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-चैतमा व्यपवर्तन योजना के नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भू-अर्जन अधिकारी, कटघोरा के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राजपाल सिंह त्यागी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

बलरामपुर, दिनांक 6 फरवरी 2012

रा.प्र.क्र. 03/अ-82/2011-2012.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-बलरामपुर
- (ख) तहसील-रामानुजगंज
- (ग) नगर/ग्राम-सनावल, प. ह. नं. 03
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-2.74 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	1341/1	0.05
	1344/1	0.07
	1344/2	0.07
	1344/3	0.11
	1344/8	0.01
	1346	2.10
	1342	0.03
	1339	0.03
	1340	0.18
	1344/7	0.01
	1349/2	0.07
	1344/3	0.01
योग	12	2.74

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सड़क निर्माण योजना हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, रामानुजगंज के कार्यालय में किया जा सकता है.

बलरामपुर, दिनांक 6 फरवरी 2012

रा.प्र.क्र. 04/अ-82/2011-2012.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-बलरामपुर
- (ख) तहसील-रामानुजगंज
- (ग) नगर/ग्राम-कामेश्वरनगर, प. ह. नं. 02
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-0.04 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	1445	0.04
योग	1	0.04

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-सड़क निर्माण योजना हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, रामानुजगंज के कार्यालय में किया जा सकता है.

बलरामपुर, दिनांक 6 फरवरी 2012

रा.प्र.क्र. 05/अ-82/2011-2012.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-बलरामपुर
(ख) तहसील-रामानुजगंज
(ग) नगर/ग्राम-सनावल, प. ह. नं. 03
(घ) लगभग क्षेत्रफल-0.63 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	1342	0.11
	1343/3	0.10
	1343/5	0.10
	1344/1	0.09
	1344/2	0.10
	1344/3	0.13
योग	6	0.63

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-हाई स्कूल खेल मैदान निर्माण योजना हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, रामानुजगंज के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सी. आर. प्रसन्ना, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 3 सितम्बर 2012

क्र./क/वा./भू.अ./अ.वि.अ./प्र.क्र./15/अ-82/वर्ष 2011-12.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
(क) जिला-रायपुर
(ख) तहसील-तिल्दा
(ग) नगर/ग्राम-बहेसर, प.ह.नं. 17
(घ) लगभग क्षेत्रफल-5.605 हेक्टेयर

	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
	(1)	(2)
	481/4	0.162
	578	0.081
	573/1	0.324
	563/2	0.283
	562/1	0.162
	573/2	0.324
	576/2	0.223
	579	0.101
	580	0.093
	582	0.405
	472	0.060
	513	0.060
	583	0.121
	585	0.040
	507	0.032
	508	0.129
	501	0.052
	502	0.141
	515/1	0.202
	515/2	0.202
	483	0.182
	577/2	0.125
	470/3	0.198
	470/6	0.045
	470/16	0.405
	477	0.364
	478	0.093
	471/1	0.206
	577/1	0.156
	577/4	0.156
	481/2	0.134
	471/2	0.124
	471/5	0.200
	482	0.020
योग	33	5.605

(2) सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण-औद्योगिक क्षेत्र के एप्रोच रेल्वे लाईन निर्माण योजना हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण मुख्य महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रायपुर (छ.ग.) के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सिद्धार्थ कोमल परदेशी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

विभाग प्रमुखों के आदेश

कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.), रायगढ़ (छ. ग.)

रायगढ़, दिनांक 23 जुलाई 2012

प्रारूप-घ
(नियम 6 देखें)

क्रमांक 205/बी-121/2010-11.—राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ भूमिगत पाईप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों के अर्जन) अधिनियम, 2004 (क्रमांक 07 सन् 2004) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सक्षम प्राधिकारी, रायगढ़ को अधिसूचना क्रमांक एफ-7-10/सात-3/2011 रायपुर दिनांक 23-5-2011 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि मेसर्स जिन्दल पावर लि. तमनार द्वारा ग्राम तमनार, तहसील तमनार में स्थापित पावर प्लांट परियोजना के लिये जल परिवहन हेतु भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग का अधिकार अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी.

और उक्त अधिसूचना राजपत्र में दिनांक 25-11-2011 को प्रकाशित की गई तथा कलेक्टर, सक्षम प्राधिकारी, तहसीलदार कार्यालय के नोटिस बोर्ड के साथ ग्राम पंचायत एवं संबंधित ग्राम के लोक समागम स्थल पर अधिसूचना प्रकाशित कर इसकी सूचना भूमिस्वामी/अधिभोगी को भी की गई है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

और उक्त भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

अतएव अब सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है.

और एतद्द्वारा धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि में उपयोग का अधिकार सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर राज्य सरकार में निहित होगी.

अनुसूची

जिला (1)	तहसील (2)	ग्राम/प. ह. नं. (3)	खसरा नम्बर (4)	उपयोग के अधिकार के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि (एकड़ में) (5)
रायगढ़	पुसौर	जिवरीडीह/39	242/1ख	0.20
			242/1ग	0.03
			242/2	0.05
			251	0.15
			252/2	0.28
			254	0.03
			253/1	0.28
			247/2	0.32
		योग	08	1.33

रायगढ़, दिनांक 23 जुलाई 2012

प्रारूप-घ
(नियम 6 देखें)

क्रमांक 207/बी-121/2010-11.—राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ भूमिगत पाईप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों के अर्जन) अधिनियम, 2004 (क्रमांक 07 सन् 2004) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सक्षम प्राधिकारी, रायगढ़ को अधिसूचना क्रमांक एफ-7-10/सात-3/2011 रायपुर दिनांक 23-5-2011 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि मेसर्स जिन्दल पावर लि. तमनार द्वारा ग्राम तमनार, तहसील तमनार में स्थापित पावर प्लांट परियोजना के लिये जल परिवहन हेतु भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग का अधिकार अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी.

और उक्त अधिसूचना राजपत्र में दिनांक 25-11-2011 को प्रकाशित की गई तथा कलेक्टर, सक्षम प्राधिकारी, तहसीलदार कार्यालय के नोटिस बोर्ड के साथ ग्राम पंचायत एवं संबंधित ग्राम के लोक समागम स्थल पर अधिसूचना प्रकाशित कर इसकी सूचना भूमिस्वामी/अधिभोगी को भी की गई है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

और उक्त भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

अतएव अब सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है.

और एतद्द्वारा धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि में उपयोग का अधिकार सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर राज्य सरकार में निहित होगी.

अनुसूची

जिला	तहसील	ग्राम/प. ह. नं.	खसरा नम्बर	उपयोग के अधिकार के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि (एकड़ में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
रायगढ़	पुसौर	बुनगा/40	10	0.13
			13/1	0.18
			11	0.18
			12/1	0.10
			24/1	0.08
			24/3	0.22
			24/2	0.22
			14	0.20
			16/1	0.22
			16/3	0.04
			15/1	0.07
			24/4	0.24
		योग	**12**	**1.88**

रायगढ़, दिनांक 23 जुलाई 2012

प्रारूप-घ
(नियम 6 देखें)

क्रमांक 209/बी-121/2010-11.—राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ भूमिगत पाईप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों के अर्जन) अधिनियम, 2004 (क्रमांक 07 सन् 2004) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सक्षम प्राधिकारी, रायगढ़ को अधिसूचना क्रमांक एफ-7-10/सात-3/2011 रायपुर दिनांक 23-5-2011 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि मेसर्स जिन्दल पावर लि. तमनार द्वारा ग्राम तमनार, तहसील तमनार में स्थापित पावर प्लांट परियोजना के लिये जल परिवहन हेतु भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग का अधिकार अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी.

और उक्त अधिसूचना राजपत्र में दिनांक 25-11-2011 को प्रकाशित की गई तथा कलेक्टर, सक्षम प्राधिकारी, तहसीलदार कार्यालय के नोटिस बोर्ड के साथ ग्राम पंचायत एवं संबंधित ग्राम के लोक समागम स्थल पर अधिसूचना प्रकाशित कर इसकी सूचना भूमिस्वामी/अधिभोगी को भी की गई है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

और उक्त भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

अतएव अब सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है.

और एतद्द्वारा धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि में उपयोग का अधिकार सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर राज्य सरकार में निहित होगी.

अनुसूची

जिला	तहसील	ग्राम/प. ह. नं.	खसरा नम्बर	उपयोग के अधिकार के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि (एकड़ में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
रायगढ़	पुसौर	सिंहा/37	4	0.53
			5/1	0.47
			6/7	0.65
			9	0.10
			10	0.18
			11	0.22
			12/1	0.02
			12/2	0.05
			13	0.19
			14	0.30
			16/1	0.04
			15/1	0.22
			21/1	0.18
			22	0.26
			192	0.13
			23/3	0.30

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
			24	0.06
			26	0.02
			193	0.06
			3/1	0.08

रायगढ़, दिनांक 23 जुलाई 2012

प्रारूप-घ
(नियम 6 देखें)

क्रमांक 211/बी-121/2010-11.—राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ भूमिगत पाईप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों के अर्जन) अधिनियम, 2004 (क्रमांक 07 सन् 2004) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सक्षम प्राधिकारी, रायगढ़ को अधिसूचना क्रमांक एफ-7-10/सात-3/2011 रायपुर दिनांक 23-5-2011 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि मेसर्स जिन्दल पावर लि. तमनार द्वारा ग्राम तमनार, तहसील तमनार में स्थापित पावर प्लांट परियोजना के लिये जल परिवहन हेतु भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग का अधिकार अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी.

और उक्त अधिसूचना राजपत्र में दिनांक 25-11-2011 को प्रकाशित की गई तथा कलेक्टर, सक्षम प्राधिकारी, तहसीलदार कार्यालय के नोटिस बोर्ड के साथ ग्राम पंचायत एवं संबंधित ग्राम के लोक समागम स्थल पर अधिसूचना प्रकाशित कर इसकी सूचना भूमिस्वामी/अधिभोगी को भी की गई है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

और उक्त भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

अतएव अब सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है.

और एतद्द्वारा धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि में उपयोग का अधिकार सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर राज्य सरकार में निहित होगी.

अनुसूची

जिला	तहसील	ग्राम/प. ह. नं.	खसरा नम्बर	उपयोग के अधिकार के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि (एकड़ में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
रायगढ़	पुसौर	कोतासुरा/36	4/2	0.11
			6	0.09
			7	0.15
			8	0.35
			11/2	0.11
			12/2	0.07

(1)	(2)	(3)		(4)	(5)
				10	0.32
				269	0.16
				263	0.52
				270	0.42
				15	0.13
				4/2	0.11
				254	0.70
			योग	**12**	**3.24**

जे. आर. चौरसिया,
सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी (रा.).

कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी जगदलपुर, जिला बस्तर

जगदलपुर, दिनांक 31 जुलाई 2012

प्रारूप-घ
(नियम 6)

क्रमांक 988 प्र./अ.वि.अ. (रा.) 9/अ-82/2008-09.—राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ भूमिगत पाईप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 2004 (क्रमांक 07 सन् 2004) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई सक्षम प्राधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जगदलपुर को अधिसूचना क्रमांक एफ-सात-7-35/सात-3/2008, दिनांक 02-06-2009 द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट अनुसार टाटा इस्पात संयंत्र परियोजना के लिये तिरिया वन ग्राम (कोलाब नदी) तहसील जगदलपुर जिला बस्तर से जल परिवहन ग्राम सिरिसगुडा तहसील तोकापाल जिला बस्तर में प्रस्तावित जलाशय तक भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन करने के लिये अपने आशय की घोषणा की थी.

और उक्त अधिसूचना राजपत्र में दिनांक 17 जुलाई 2009 को प्रकाशित की गई है. कलेक्टर, सक्षम प्राधिकारी, तहसील कार्यालय के नोटिस बोर्ड के साथ ग्राम पंचायत एवं संबंधित ग्राम के लोक समागम स्थल पर अधिसूचना प्रकाशित कर इसकी सूचना भूमिस्वामी/अधिभोगी को की गई है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

और उक्त भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अनुज्ञात कर दिया गया है.

अतएव अब सक्षम प्राधिकारी एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है.

और एतद्द्वारा धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा, इस घोषणा की तारीख से भूमिगत पाईपलाईन बिछाने के लिये भूमि में उपयोग का अधिकार सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर राज्य शासन में निहित होगी.

अनुसूची

जिला	तहसील	ग्राम/प. ह. नं.	खसरा नं.	उपयोग के अधिकार के लिए अर्जित की जाने वाली भूमि (हेक्टेयर में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
बस्तर	तोकापाल	गुमियापाल	200	0.020
			202/1	0.032
			202/2	0.032
			202/3	0.032
			202/4	0.32
			202/5	0.031
			202/6	0.031
			203	0.060
			योग	**0.27**

संतोष कुमार देवांगन,
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.)/ सक्षम अधिकारी.

कार्यालय, कलेक्टर (खनिज शाखा), राजनांदगांव (छ.ग.)

राजनांदगांव, दिनांक 25 अगस्त 2012

क्रमांक/772/ख.लि. 02/2012.—गौण खनिज नियमावली 1996 के नियम 12 के अंतर्गत निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया क्षेत्र भवन निर्माण के सामग्री के रूप में उपयोग लाई जाने वाले चूने के विनिर्माण के लिए भट्ठी में जलाकर उपयोग में लाये जाने वाला चूनापत्थर उत्खनिपट्टा पर दिये जाने हेतु छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस पश्चात् क्षेत्र उपलब्ध होगा.

क्र.	पूर्व पट्टेदार का नाम	ग्राम का नाम	तहसील	खसरा क्रमांक	रकबा (एकड़ में)	खनिज का नाम	भूमि का विवरण	खुला घोषित किये जाने का कारण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	श्रीमती मायालता भोजवानी ध.प. श्री मोहनलाल भोजवानी चौखड़िया पारा, राजनांदगांव.	डूमरडीहकला	राजनांदगांव	119	3.00	चूनापत्थर	निजी	उत्खनिपट्टे की अवधि समाप्त होने के कारण.

टीप :— भूमि स्वामी की सहमति अनिवार्य है.

एस. के. पवार,
अपर कलेक्टर.

कार्यालय आयुक्त, सरगुजा संभाग, अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़)

अम्बिकापुर, दिनांक 3 अगस्त 2012

क्रमांक 1586/सामान्य/2012.—छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम (संशोधन दिनांक 29 मार्च 2011) अधिनियम 1956 के धारा 23 की उपधारा (3) के अनुसार राज्य शासन द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एम. एस. पैंकरा, आयुक्त, सरगुजा संभाग, अंबिकापुर कलेक्टर सरगुजा के प्रतिवेदन से सहमत होते हुए श्री इन्द्रदेव नेताम, पार्षद, मंगल पाण्डेय, वार्ड क्रमांक 10 नगर पालिक निगम अम्बिकापुर का त्याग-पत्र स्वीकृत करता हूं.

एम. एस. पैंकरा,
आयुक्त.

उच्च न्यायालय के आदेश और अधिसूचनाएं

उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

बिलासपुर, दिनांक 23 मार्च 2012

क्रमांक 64/दो-2-41/2004.—श्री अरूण कुमार प्रधान, विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज), दुर्ग दिनांक 29-03-2011 की पूर्वान्ह में सेवानिवृत्त होने के फलस्वरूप उनके अवकाश लेखा में सेवानिवृत्ति तिथि को शेष अर्जित अवकाश में से 240 (दो सौ चालीस) दिवस के अर्जित अवकाश नगदीकरण की स्वीकृति, छत्तीसगढ़ शासन, विधि और विधायी कार्य विभाग, रायपुर के आदेश क्रमांक 13040/21-ब/छ.ग./06 दिनांक 31-10-2006, पत्र क्रमांक 4590/डी-331/21-ब/छ.ग./09 दिनांक 08-07-2009 सहपठित पत्र क्रमांक 4082/21-ब/छ.ग./2010 दिनांक 01-05-2010 में दिये गये स्पष्टीकरण (clarification) के आलोक में, प्रदान की जाती है.

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 174/Confdl./2012/II-2-1/2012.—The following Members of Higher Judicial Service, as specified in Column No. (2), are transferred from the place shown in Column No. (3) to the place shown in Column No. (4) and are posted in the capacity as mentioned in Column No. (6) from the date they assume charge of their office; and

The following Members of Higher Judicial Service are appointed as Additional Sessions Judge for the Sessions Division mentioned in Column No. (5) from the date they assume charge of their office :-

TABLE

S. No. (1)	Name & presently posted as (2)	From (3)	To (4)	Sessions Division (5)	Posted as (6)
1.	Shri Vinay Kumar Kashyap, President, District Consumer Disputes Redressal Forum.	Jagdalpur	Bhanupratappur	Uttar Bastar (Kanker)	Additional District & Sessions Judge.
2.	Shri Nirmal Minj, President, District Consumer Disputes Redressal Forum.	Raipur	Ambikapur	Surguja (Ambikapur)	III Additional District & Sessions Judge.
3.	Shri Ram Kumar Tiwari, Additional Secretary, Govt. of C.G., Law Department.	Raipur	Ramanujganj	Surguja (Ambikapur)	Additional District & Sessions Judge.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4.	Shri Ashok Kumar Sahu I Addl. District & Sessions Judge.	Durg	Raigarh	Raigarh	II Additional District & Sessions Judge.
5.	Shri Santosh Sharma, IV Addl. District & Sessions Judge.	Bilaspur	Jagdalpur	Bastar (Jagdalpur)	I Additional District & Sessions Judge Jagdalpur.
6.	Shri Sudhir Kumar, III Addl. District & Sessions Judge.	Bilaspur	Jashpurnagar	Jashpur	Additional District & Sessions Judge.
7.	Shri Rajnish Shrivastava, I Addl. District & Sessions Judge.	Jagdalpur	Durg	Durg	I Additional District & Sessions Judge.
8.	Shri Hemant Saraf, V Addl. District & Sessions Judge.	Bilaspur	Kanker	Uttar Bastar (Kanker)	Additional District & Sessions Judge.
9.	Shri Manish Kumar Naidu Addl. District & Sessions Judge.	Kanker	Bilaspur	Bilaspur	III Additional District & Sessions Judge.
10.	Shri Ashok Potdar, II Addl. District & Sessions Judge, Jagdalpur at Kondagaon.	Kondagaon	Kondagaon	Bastar (Jagdalpur)	Additional District & Sessions Judge.
11.	Shri Anestus Toppo, Addl. District & Sessions Judge, Jashpur at Kunkuri.	Kunkuri	Jagdalpur	Bastar (Jagdalpur)	II Additional District & Sessions Judge.
12.	Shri Satish Kumar Singh, II Additional District & Sessions Judge.	Mahasamund	Mahasamund	Mahasamund	I Additional District & Sessions Judge.
13.	Smt. Neeta Yadav, II Additional District & Sessions Judge.	Bilaspur	Bilaspur	Bilaspur	I Additional District & Sessions Judge.
14.	Shri Govind Narayan Jangde, Additional District & Sessions Judge.	Bilaspur	Bilaspur	Bilaspur	V Additional District & Sessions Judge.

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 176/Confdl./2012/II-2-1/2012.—The following Civil Judge Class-I-cum-Chief Judicial Magistrates/ Additional Chief Judicial Magistrates/Judicial Magistrates First Class, as specified in Column No. (2), who have been promoted and appointed as District Judge (Entry level) in officiating capacity by the State Government, are transferred from the place specified in Column No. (3) to the place specified in Column No. (4) and are posted in the capacity as specified in Column No. (6) from the date they assume charge of their office and;

The following Civil Judge Class-I-cum-Chief Judicial Magistrates/Additional Chief Judicial Magistrates/ Judicial Magistrates First Class, as specified in Column No. (2), are appointed as Additional Sessions Judge for the

Sessions Division, mentioned in Column No. (5), from the date they assume charge of their office :—

TABLE

S. No. (1)	Name & presently posted as (2)	From (3)	To (4)	Sessions Division (5)	Posted as (6)
1.	Shri Chandra Kumar Ajgalley, I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.	Rajnandgaon	Korba	Korba	Additional District & Sessions Judge.
2.	Shri Mansoor Ahmed, I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.	Bilaspur	Bilaspur	Bilaspur	II Additional District & Sessions Judge.
3.	Smt. Kiran Chaturvedi, I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.	Mahasamund	Kawardha	Kabirdham (Kawardha)	Additional District & Sessions Judge.
4.	Shri Chameshwar Lal Patel, VI Civil Judge Class-I & Additional Chief Judicial Magistrate.	Raipur	Raipur	Raipur	III Additional District & Sessions Judge.
5.	Shri Jitendra Kumar, I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.	Durg	Sakti	Janjgir-Champa	II Additional District & Sessions Judge.
6.	Shri Hirendra Singh Tekam, I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.	Raipur	Raipur	Raipur	II Additional District & Sessions Judge.
7.	Shri Mohd. Rizwan Khan, Deputy Secretary, State Legal Services Authority.	Bilaspur	Balod	Durg	II Additional District & Sessions Judge.
8.	Shri Pradeep Kumar Singh, V Civil Judge Class-I & Railway Magistrate.	Bilaspur	Raipur	Raipur	IV Additional District & Sessions Judge.
9.	Smt. Dhaneshwari Sidar, I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.	Kawardha	Rajnandgaon	Rajnandgaon	I Additional District & Sessions Judge Rajnandgaon.
10.	Shri Janta Ram Banjara, I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.	Dhamtari	Kunkuri	Jashpur	Additional District & Sessions Judge.
11.	Smt. Vinita Warner, II Civil Judge Class-I.	Rajnandgaon	Mahasamund	Mahasamund	II Additional District & Sessions Judge.
12.	Shri Dileshwar Singh Rathiya, Civil Judge, Class-I.	Gariyaband	Pratappur	Surguja (Ambikapur)	Additional District & Sessions Judge.
13.	Smt. Girija Devi Meravi, IV Civil Judge Class-I.	Bilaspur	Bilaspur	Bilaspur	IV Additional District & Sessions Judge.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
14.	Shri Maneesh Kumar Thakur, I Civil Judge, Class-I & Chief Judicial Magistrate.	Ambikapur	Rajnandgaon	Rajnandgaon	II Additional District & Sessions Judge.
15.	Shri Vijay Kumar Hota, Civil Judge, Class-I & Additional Chief Judicial Magistrate.	Khairagarh	Pendra-Road	Bilaspur	Additional District & Sessions Judge.

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 178/Confdl./2012/II-3-1/2012.—The following Civil Judges Class-I-cum-Chief Judicial Magistrates, as specified in Column No. (2) of the table below are, hereby, transferred from the place shown in Column No. (3) to the place shown in Column No. (4) in the Revenue District mentioned in Column No. (5) and are posted in the capacity as mentioned in column No. (6) from the date they assume charge of their office :—

TABLE

S. No. (1)	Name & presently Posted as (2)	From (3)	To (4)	Revenue District (5)	Posted as (6)
1.	Shri Ramjivan Dewangan, Civil Judge, Class-I and Chief Judicial Magistrate.	Bijapur	Kondagaon	Bastar (Jagdalpur)	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
2.	Shri Anand Ram Dhidhi, Civil Judge, Class-I and Chief Judicial Magistrate.	Jashpur	Bijapur	Dakshin Bastar (Dantewara)	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
3.	Shri Gregory Tirkey, I Civil Judge, Class-I and Chief Judicial Magistrate.	Korba	Ambikapur	Surguja (Ambikapur)	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 179/Confdl./2012/II-3-1/2012.—The following Civil Judges Class-I and Judicial Magistrates First Class, as specified in Column No. (2) of the table below are, hereby, transferred from the place shown in Column No. (3) to the place shown in Column No. (4) and are appointed as Civil Judge Class-I-cum-Chief Judicial Magistrates/Additional Chief Judicial Magistrates for the Revenue District mentioned in Column No. (5) in the capacity as mentioned in Column No. (6) from the date they assume charge of their office :—

TABLE

S. No. (1)	Name & presently Posted as (2)	From (3)	To (4)	Revenue District (5)	Posted as (6)
1.	Shri Uma Shankar Mishra, Law Officer, C. G. Human Rights Commission.	Raipur	Sukma	Dakshin Bastar (Dantewara)	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	Shri Praveen Kumar Pradhan, Civil Judge Class-I and Officiating Chief Judicial Magistrate.	Bemetara	Bemetara	Durg	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
3.	Shri Khilawan Ram Rigri, Civil Judge Class-I and Officiating Chief Judicial Magistrate.	Surajpur	Surajpur	Surguja (Ambikapur)	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
4.	Ku. Sangratna Bhatpahari, Civil Judge Class-I and Officiating Chief Judicial Magisgrate.	Jagdalpur	Jagdalpur	Bastar (Jagdalpur)	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
5.	Shri Rishi Kumar Barman, Civil Judge, Class-I.	Bhilai-3	Kanker	Uttar Bastar (Kanker)	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
6.	Shri Thomas Ekka, Civil Judge Class-I and Officiating Chief Judicial Magistrate.	Sanjari-Balod	Sanjari-Balod	Durg	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
7.	Shri Devendra Nath Bhagat, Civil Judge Class-I.	Dongargarh	Rajnandgaon	Rajnandgaon	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
8.	Shri Daya Sindhu Ganveer, Civil Judge Class-I and Officiating Chief Judicial Magistrate.	Mungeli	Mungeli	Bilaspur	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
9.	Smt. Geeta Neware, II Civil Judge Class-I.	Raipur	Balodabazar	Raipur	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrarte.
10.	Smt. Prisilla Paul Horo, IV Civil Judge Class-I.	Raipur	Korba	Korba	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
11.	Shri Shailesh Kumar Ketarap, Civil Judge Class-I.	Kondagaon	Raipur	Raipur	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
12.	Shri Prabodh Toppo, Civil Judge Class-I.	Sakti	Kawardha	Kabirdham (Kawardha)	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
13.	Shri Srinarayan Singh, Civil Judge Class-I.	Gharghora	Gariaband	Raipur	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
14.	Shri Prafull Sonwani, Civil Judge Class-I.	Saraipali	Jashpur	Jashpur	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15.	Ku. Sanghpushpa Bhatpahari, II Civil Judge Class-I.	Dhamtari	Dhamtai	Dhamtari	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
16.	Shri Shiekh Ashraf, Civil Judge Class-I.	Katghora	Durg	Durg	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
17.	Shri Liladhar Sarthi, Civil Judge Class-I and Officiating Chief Judicial Magistrate.	Baloda-Bazar	Ramanujganj	Surguja (Ambikapur)	Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate, Balrampur at Ramanujganj.
18.	Shri Alok Kumar, Civil Judge Class-I.	Pendra-Road	Raipur	Raipur	VI Civil Judge Class-1 & Addl. Chief Judicial Magistrate.
19.	Ku. Ranju Rautrai, III Civil Judge Class-I.	Mahasamund	Mahasamund	Mahasamund	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
20.	Shri Omprakash Singh Chouhan, Civil Judge Class-I.	Sarangarh	Bilaspur	Bilaspur	I Civil Judge Class-I & Chief Judicial Magistrate.
21.	Shri Santosh Kumar Aditya, Civil Judge Class-I and Officiating Chief Judicial Magistrate.	Ramanujganj	Khairagarh	Rajnandgaon	Civil Judge Class-I & Addl. Chief Judicial Magistrate.

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 181/Confdl./2012/II-3-1/2012.—The following Civil Judges Class-I & Judicial Magistrates First Class, as specified in Column No. (2) of the table below are, hereby, transferred from the place shown in Column No. (3) to the place shown in Column No. (4) in the Revenue District mentioned in Column No. (5) and are posted in the capacity as mentioned in Column No. (6) from the date they assume charge of their office :—

TABLE

S. No. (1)	Name & presently Posted as (2)	From (3)	To (4)	Revenue District (5)	Posted as (6)
1.	Smt. Sangeeta Naveen Tiwari, Secretary, District Legal Services Authority.	Raipur	Bilaspur	Bilaspur	II Civil Judge Class-I
2.	Smt. Leena Agrawal, Civil Judge Class-I.	Bhatapara	Rajnandgaon	Rajnandgaon	II Civil Judge Class-I
3.	Smt. Shraddha Shukla Sharma, II Civil Judge Class-I.	Kanker	Durg	Durg	III Civil Judge Class-I

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4.	Smt. Garima Sharma, V Civil Judge Class-I.	Raipur	Champa	Janjgir-Champa	Civil Judge Class-I.
5.	Shri Rajendra Kumar Verma, Civil Judge Class-I.	Kunkuri	Surajpur	Surguja (Ambikapur)	I Addl. Judge to the Court of Civil Judge Class-I.
6.	Shri Yashwant Wasnikar, Civil Judge Class-I.	Sukma	Kanker	Uttar Bastar (Kanker)	II Civil Judge Class-I
7.	Smt. Kirti Lakra, Secretary, District Legal Services Authority.	Korba	Bilaspur	Bilaspur	IV Civil Judge Class-I.
8.	Shri Niranjan Lal Chouhan, Civil Judge Class-I.	Kasdol	Pendra-Road	Bilaspur	Civil Judge Class-I

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 183/Confdl./2012/II-3-1/2012.—The following Civil Judges Class-II as mentioned in column No. (2) of the table below are hereby promoted and appointed on the post of Senior Civil Judge and :

The following Civil Judge Class-II are transferred from the place as specified in Column No. (3) to the place shown in column No. (4) in the Revenue District mentioned in Column No. (5) and are posted in the capacity as mentioned in column No. (6) from the date they assume charge of their office :—

TABLE

S. No. (1)	Name & presently Posted as (2)	From (3)	To (4)	Revenue District (5)	Posted as (6)
1.	Ku. Nidhi Sharma, IX Civil Judge Class-II.	Bilaspur	Bilaspur	Bilaspur	I Additional Judge to the Court of I Civil Judge Class-I.
2.	Smt. Mamta Shukla, VIII Civil Judge Class-II.	Durg	Raipur	Raipur	II Civil Judge Class-I
3.	Smt. Tajeshwari Devi Dewangan, V Civil Judge Class-II.	Ambikapur	Ambikapur	Ambikapur	II Civil Judge Class-I
4.	Shri Pankaj Sharma, Civil Judge Class-II.	Kharsiya	Bhilai-3	Durg	Civil Judge Class-I
5.	Shri Deepak Kumar Gupta, Civil Judge Class-II.	Keshkal	Jagdalpur	Bastar (Jagdalpur)	II Civil Judge Class-I
6.	Shri Sunil Kumar Nande, Civil Judge Class-II.	Takhatpur	Ambikapur	Surguja (Ambikapur)	I Additional Judge to the Court of I Civil Judge Class-I.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
7.	Shri Manoj Kumar Singh Thakur, Civil Judge Class-II.	Janakpur	Bhatapara	Raipur	Civil Judge Class-I
8.	Smt. Mamta Patel, IV Civil Judge Class-II.	Raipur	Raipur	Raipur	III Civil Judge Class-I
9.	Shri Ajay Singh Rajput, Civil Judge Class-II.	Saja	Raipur	Raipur	II Additioanl Judge to the Court of I Civil Judge Class-I.
10.	Smt. Heemanshu Jain, I Civil Judge Class-II.	Raigarh	Raigarh	Raigarh	II Civil Judge Class-I
11.	Shri Anish Dubey, Civil Judge Class-II.	Dalli-rajhara	Kunkuri	Jashpur	Civil Judge Class-I
12.	Shri Shahabuddin Qureshi, Civil Judge Class-II.	Nagari	Saraipali	Mahasamund	Civil Judge Class-I
13.	Shri Rakesh Kumar Verma, Civil Judge Class-II.	Deobhog	Sakti	Janjgir-Champa	Civil Judge Class-I
14.	Shri Vivek Kumar Tiwari (Jr.), II Civil Judge Class-II.	Sanjari-Balod	Surajpur	Surguja (Ambikapur)	II Additional Judge to the Court of Civil Judge Class-I.
15.	Shri Bhanu Pratap Singh Tyagi, Civil Judge Class-II.	Chhuikhadan	Sarangarh	Raigarh	Civil Judge Class-I
16.	Smt. Neeru Singh, II Civil Judge Class-II.	Janjgir-Champa	Raipur	Raipur	IV Civil Judge Class-I.
17.	Shri Atul Kumar Shrivastava, Civil Judge Class-II.	Kartala	Katghora	Korba	Civil Judge Class-I.
18.	Shri Lavakesh Pratap Singh Baghel, Addl. Judge to the Court of I Civil Judge Class-II, Janjgir-Champa at Champa.	Champa	Raipur	Raipur	V Civil Judge Class-I
19.	Shri Siddharth Aggarwal, VII Civil Judge Class-II.	Raipur	Raipur	Raipur	III Additional Judge to the Court of I Civil Judge Class-I.
20.	Shri Chandra Kumar Kashyap, Civil Judge Class-II.	Marwahi	Bilaspur	Bilaspur	V Civil Judge Class-I
21.	Shri Vivek Kumar Verma, Civil Judge Class-II.	Simga	Raipur	Raipur	I Additional Judge to the Court of I Civil Judge Class-I.
22.	Shri Vijay Kumar Sahu, Civil Judge Class-II.	Bagicha	Gharghora	Raigarh	Civil Judge Class-I

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
23.	Shri Ashwani Kumar Chaturvedi, Civil Judge Class-II.	Pithoura	Kasdol	Raipur	Civil Judge Class-I
24.	Smt. Pooja Jaiswal, I Civil Judge Class-II.	Jagdalpur	Jagdalpur	Bastar (Jagdalpur)	III Civil Judge Class-I
25.	Shri Madhusudhan Chandrakar, Civil Judge Class-II.	Katghora	Patan	Durg	Civil Judge Class-I
26.	Smt. Pratibha Verma, I Civil Judge Class-II.	Dhamtari	Dhamtari	Dhamtari	II Civil Judge Class-I
27.	Shri Kamlesh Jagdalla, Addl. Judge to the Court of I Civil Judge Class-II, Durg at Patan.	Patan	Dongargarh	Rajnandgaon	Civil Judge Class-I
28.	Shri Venseslas Toppo, VI Civil Judge Class-II.	Durg	Durg	Durg	I Additional Judge to the Court of I Civil Judge Class-I.
29.	Shri Prabhakar Gwal, Civil Judge Class-II.	Jaijaipur	Bilaspur	Bilaspur	II Additional Judge to the Court of I Civil Judge Class-I.
30.	Shri Kiran Kumar Jangade, Civil Judge Class-II.	Malkharoda	Pratappur	Surguja (Ambikapur)	Civil Judge Class-I
31.	Shri Mukesh Kumar Patre, Civil Judge Class-II.	Chirmiri	Chirmiri	Koriya (Baikunthpur)	Civil Judge Class-I
32.	Shri Shyam Sunder Kashyap, Civil Judge Class-II.	Pali.	Durg	Durg	II Additional Judge to the Court of I Civil Judge Class-I.

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 185/Confdl./2012/II-3-1/2012.—The following Civil Judges Class-II as mentioned in Column No. (2) of the table below are, hereby, transferred from the place mentioned in Column No. (3) to the place shown in Column No. (4) in the Revenue District mentioned in Column No. (5) and are posted in the capacity as mentioned in Column No. (6) from the date they assume charge of their office :—

TABLE

S. No. (1)	Name & presently Posted as (2)	From (3)	To (4)	Revenue District (5)	Posted as (6)
1.	Smt. Pallavi Tiwari, IV Civil Judge Class-II.	Ambikapur	Raipur	Raipur	IV Civil Judge Class-II.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	Smt. Urmila Gupta, Civil Judge Class-II.	Kota	Rajnandgaon	Rajnandgaon	I Civil Judge Class-II
3.	Shri Balaram Sahu, Civil Judge Class-II.	Bilaigarh	Takhatpur	Bilaspur	Civil Judge Class-II
4.	Shri Leeladharsai Yadaw, II Civil Judge Class-II.	Surajpur	Marwahi	Bilaspur	Civil Judge Class-II
5.	Shri Shailendra Chouhan, III Civil Judge Class-II.	Raigarh	Bacheli	Dakshin Bastar (Dantewara)	Civil Judge Class-II
6.	Shri Amit Rathore, I Civil Judge Class-II.	Rajnandgaon	Lormi	Bilaspur	Civil Judge Class-II
7.	Shri Anil Kumar Pandey, II Civil Judge Class-II.	Mahasamund	Bagicha	Jashpur	Civil Judge Class-II
8.	Shri Sumit Kapoor, II Civil Judge Class-II.	Raigarh	Dondilohara	Durg	Civil Judge Class-II
9.	Shri Shailesh Sharma, Civil Judge Class-II.	Kawardha	Chhuikhadan	Rajnandgaon	Civil Judge Class-II
10.	Shri Vikram Pratap Chandra, Civil Judge Class-II.	Jashpur	Mungeli	Bilaspur	Civil Judge Class-II
11.	Shri Sanjay Agrawal, IV Civil Judge Class-II.	Jagdalpur	Dallirajhara	Durg	Civil Judge Class-II
12.	Shri Santanoo Kumar Deshlahre, I Civil Judge Class-II.	Janjgir-Chamapa	Deobhog	Raipur	Civil Judge Class-II
13.	Shri Agam Kumar Kashyap, V Civil Judge Class-II.	Jagdalpur	Kharsiya	Raigarh	Civil Judge Class-II
14.	Shri Shriniwas Tiwari, Addl. Judge to the Court of Civil Judge Class-II.	Bilaspur	Simga	Raipur	Civil Judge Class-II
15.	Shri Narendra Kumar, X Civil Judge Class-II.	Bilaspur	Janakpur	Koriya (Baikunthpur)	Civil Judge Class-II
16.	Shri Anil Prabhat Minj, Addl. Judge to the Court of Civil Judge Class-II.	Jashpur	Keshkal	Bastar (Jagdalpur)	Civil Judge Class-II
17.	Shri Deepak Kumar Koshley, I Civil Judge Class-II.	Bemetara	Pithoura	Mahasamund	Civil Judge Class-II
18.	Shri Mohan Singh Korram, Addl. Judge to the Court of I Civil Judge Class-II.	Raipur	Malkharoda	Janjgir-Champa	Civil Judge Class-II

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
19.	Shri Ajay Kumar Xaxa, Civil Judge Class-II.	Kawardha	Wadrafnagar	Surguja (Ambikapur)	Civil Judge Class-II
20.	Shri Digvijay Singh, VI Civil Judge Class-II.	Jagdalpur	Saja	Durg	Civil Judge Class-II
21.	Shri Roop Narayan Pathare, II Civil Judge Class-II.	Rajnandgaon	Jaijaipur	Janjgir-Chamap	Civil Judge Class-II
22.	Ku. Anju Gupta, VI Civil Judge Class-II.	Bilaspur	Ambikapur	Surguja (Ambikapur)	III Civil Judge Class-II.
23.	Shri Shailesh Achyut Patwardhan, III Civil Judge Class-II.	Rajnandgaon	Pali	Korba	Civil Judge Class-II
24.	Shri Umesh Kumar Chouhan, II Civil Judge Class-II, Dhamtari at Kurud.	Kurud	Katghora	Korba	Civil Judge Class-II
25.	Shri Balram Kumar Dewangan, Civil Judge Class-II.	Bacheli	Kota	Bilaspur	Civil Judge Class-II
26.	Shri Anil Kumar Bara, IV Civil Judge Class-II.	Raigarh	Nagri	Dhamtari	Civil Judge Class-II
27.	Shri Santosh Kumar Mahobiya, Civil Judge Class-II.	Bilaspur	Bilaigarh	Raipur	Civil Judge Class-II
28.	Shri Di'esh Kumar Yadav, Civil Ju ge Class-II.	Wardraf-nagar	Kartala	Korba	Civil Judge Class-II

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 187/Confdl./2012/II-2-1/2012.—The following Member of Higher Judicial Service, as specified in Column No. (2), is transferred from the place shown in column No. (3) to the place shown in column No. (4) and is posted in the capacity as mentioned in column No. (6) from the date he assumes charge of his office and ;

The following Member of Higher Judicial Service is appointed as Sessions Judge of the Sessions Division mentioned in Column No. (5) from the date he assumes charge of his office ;—

TABLE

S. No. (1)	Name & presently posted as (2)	From (3)	To (4)	Sessions Division (5)	Posted as (6)
1.	Shri Arvind Singh Chandel, Presiding Officer, State Transport Appellate Tribunal.	Raipur	Kawardha	Kabirdham (Kawardha)	District & Sessions Judge.

Bilaspur, the 16th April 2012

No. 194/Confdl./2012/II-2-1/2012.—The following candidates, as mentioned in Column No. (2) of the table below, who have been appointed on probation as District Judge (Entry Level) in the Cadre of Chhattisgarh Higher Judicial Service by the State Government, are posted at the place and in the capacity as shown against their names in Column No. (4) with a direction to join their place of posting positively within 15 days from the date of this Order.

The following candidates are also appointed as Additional Sessions Judge for the Sessions Division mentioned in Column No. (3) from the date they assume charge of their office :—

TABLE

S. No. (1)	Name (2)	Sessions Division (3)	Posted as (4)
1.	Shri Mool Chand, S/o Late Shri Karan Singh, Flat No. S-4, Plot No. 43, Sector-6, Vaishali, P.S.-Indirapuram, District-Ghaziabad (U. P.) Pin-201012.	Bilaspur	I Additional Judge to the Court of I Additional District & Sessions Judge, Bilaspur.
2.	Shri Shakti Singh Rajput, S/o Late Shri Banbir Singh Rajput, Vinoba Ward, Pipariya, District-Hoshangabad (M.P.) Pin-461775.	Bilaspur	II Additional Judge to the Court of I Additional District & Sessions Judge, Bilaspur.
3.	Shri Satyendra Kumar Sahu, S/o Shri Bholaram Sahu, House No.-2/1319, Near Koteshwar Shiv Temple, Kota, District-Raipur (C.G.)	Bilaspur	III Additional Judge to the Court of I Additional District & Sessions Judge, Bilaspur.
4.	Shri Shyam Lal Nawaratna, S/o Shri Nahar Ram Nawaratna, Mukam-Kukda, Post-Godhna, Via-Kharaud, District-Janjgir-Champa (C.G.).	Bilaspur	IV Additional Judge to the Court of I Additional District & Sessions Judge, Bilaspur.

By order of the Hon'ble High Court,
ARVIND SHRIVASTAVA, Registrar General.

Bilaspur, the 4th July 2012

No. 458/L. G./2012/II-2-3/2005.—Shri C. L. Patel, District & Sessions Judge, Surguja at Ambikapur is hereby, granted earned leave for 05 days from 11-06-2012 to 15-06-2012 and permission to prefix holidays of 09th & 10th June, 2012 (02nd Saturday & Sunday) & suffix holidays of 16th & 17th June, 2012 (03rd Saturday & Sunday) along with permission to remain out of headquarters from 09-06-2012 till 17-06-2012 and earned leave for 06 days from 25-06-2012 to 30-06-2012 and suffix holiday of 01st July, 2012 (Sunday) along with permission to remain out of headquarters from 25-06-2012 till before the court hours of 02-07-2012.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Patel, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 242 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 4th July 2012

No. 459/L. G./2012/II-2-20/2007.—Smt. Kanta Martin, III Additional Principal Judge, Family Court, Durg is hereby, granted earned leave for 08 days from 16-07-2012 till 23-07-2012 and permission to suffix holidays of 14th & 15th July, 2012 (02nd Saturday & Sunday) along with permission to remain out of headquarters from 14-07-2012 till 23-07-2012.

During the period of earned leave, she shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Smt. Martin, had not proceeded on leave as aforementioned then she would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 267 days of earned leave are remaining in her leave account as on date.

Bilaspur, the 4th July 2012

No. 462/L. G./2012/II-2-23/2010.—Shri Shailesh Kumar Tiwari, Judge, Family Court, Manendragarh, District-Koriya is hereby, granted earned leave for 17 days from 19-04-2012 to 05-05-2012 and permission to suffix holiday of 06-05-2012 (Sunday) along with permission to remain out of headquarters.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Tiwari, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 257 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 4th July 2012

No. 466/L. G./2012/II-2-43/2004.—Shri Prabhat Kumar Shastri, District & Sessions Judge, Jashpur is hereby, granted earned leave for 10 days from 11-06-2012 to 20-06-2012 and permission to prefix holiday of 09-06-2012 & 10-06-2012 (2nd Saturday & Sunday) along with permission to remain out of headquarters from the evening of 08-06-2012 till 09.00 a.m. of 21-06-2012.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Shastri, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 242 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 4th July 2012

No. 467/L. G./2012/II-3-18/2007.—Shri D. L. Katakwar, Judge, Family Court, Surguja at Ambikapur is hereby, granted earned leave for 06 days from 18-06-2012 to 23-06-2012 and permission to preffix holidays of 16th & 17th June, 2012 (03rd Saturday & Sunday) & suffix holiday of 24th June, 2012 (Sunday) along with permission to remain out of headquarters for the said Period.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Katakwar, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 225 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 13th July 2012

No. 469/L. G./2012/II-3-16/2006.—Shri Anil Kumar Shukla, District & Sessions Judge, Raigarh is hereby, granted earned leave for 06 days from 20-07-2012 to 25-07-2012 along with permission to remain out of headquarters during the said period.

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Shukla, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 294+09 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

Bilaspur, the 6th August 2012

No. 474/L. G./2012/II-2-2/2009.—Shri P. K. Dave, District & Sessions Judge, Korba is hereby, granted earned leave for 05 days from 13-08-2012 to 17-08-2012 along with permission to remain out of headquarters from 10-08-2012 till 20-08-2012 (10th, 11th, 12th, 18th, 19th & 20th August, 2012 are holidays on account of Janmashtami, 2nd Saturday, Sunday, 3rd Saturday, Sunday & Id-Ul-Fitr Respectively).

During the period of earned leave, he shall be entitled to leave salary equal to pay drawn immediately before proceeding on leave as aforementioned.

Certified that if Shri Dave, had not proceeded on leave as aforementioned then he would have been working on the same post.

After deduction of the aforementioned leave, 270 days of earned leave are remaining in his leave account as on date.

By order of the High Court,
RAJESH SHRIVASTAVA, I/C Additional Registrar (ADMN.).

निर्वाचन आयोग, भारत की अधिसूचनाएं

कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़
इन्द्रावती खण्ड, मंत्रालय परिसर, रायपुर

रायपुर, दिनांक 27 फरवरी 2012

क्र. 51/याचिका/03/2011-12/348.—भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली का आदेश संख्या-82/छ.ग./(6/2009) 12/187, दिनांक 10 फरवरी, 2012 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा निर्वाचन अर्जी संख्या-6/2009 में दिये गये उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के तारीख 24 जुलाई, 2010 के आदेश को सर्वसाधारण की जानकारी हेतु प्रकाशित की जाती है.

सुनील कुमार कुजूर,
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी.

भारत निर्वाचन आयोग
निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001

नई दिल्ली, तारीख 9 फरवरी, 2012—21 माघ, 1933 (शक)

सं. 82/छ.ग./(6/2009)/2011.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के अनुसरण में, निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा निर्वाचन अर्जी सं. 6/2009 में दिये गये उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के तारीख 24 जुलाई, 2010 के आदेश को प्रकाशित करता है.

आदेश से,

हस्ता./-
(के. अजय कुमार)
प्रधान सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग.

IN THE HON'BLE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR

Election Petition No. 06/2009

PETITIONER : Narayan Das Inklab Gandhi, Son of late Shri Hariram, aged about 63 years, At-Raigarh Coffee House, Inklab Bhawan, Subhash Chowk, Raigarh, Distt. Raigarh (C.G.).

VERSUS

RESPONDENTS : 1. Shakrajit Nayak, Son of Shri Lalman Nayak, aged about 62 years, R/o-House No. 4, Gajananpuram, Kotra Road, Raigarh, Tehsil and Distt. Raigarh, (C.G.).

22-01-2009
Today i.e. 22-01-2009 at about 01:12 pm. Shri Narayan Das Inklab Gandhi, presented an Election Petition u/s 80/80-A R/W 100 & 101 of the representation of People Act. Challenging the election of Shri Shakrajit Nayak, in the capacity of Participating candidates in the constituency No. 16 i.e. Raigarh, Distt. Raigarh (C.G.) -

2. Vijay Agrawal, Son of Shri Hariram Agrawal, aged about 52 years, North Chakradhar Nagar, Raigarh, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

3. Hansram Sahu, Son of Shri Pitambar Sahu, aged about 40 Years, Village-Kauwatala, P. O. Putkapuri, Block-Pussore, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

4. Parimal Yadav, Son of Shri Baratram Yadav, aged about 36 years, Baikunthpur, Raigarh, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

5. Bhuwan Lal Patel, S/o Deodhar Patel, aged about 64 Years, R/o Baderampur, Ward No. 6, P. O.-Kewadabadi, Bus-stand, Tehsil and Distt. Raigarh.

6. Rajesh Jain, S/o Shri Satyanarayan Jain, aged about 32 Years, Goga Mandir Chowk, Jute Mill, Raigarh, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

7. Amulya Pujari, Son of Shri Lambodar Pujari, age about 32 Years, R/o-Village Kukurda, P. O.-Jamgaon, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

8. Tathagat Shrivastava, Son of Shri K. L. Shrivastava, aged about 38 Years, R/o-Behind Shri Ram Colony Stadium, Raigarh, P. O.-Tahsil and Distt.-Raigarh (C.G.)

9. Narendra Kumar Choubey, Son of Shri B. L. Choubey, aged about 26 Years, R/o-Behind Kabir Chowk Kisaan Rice Mill, Raigarh (C.G.)

10. Pramod Kumar Singh, Son of Shri Birendra Singh, aged about 44 Years, R/o-Singh Mensan Kabir Chowk, Opposite F.C.I. Godown, Jute Mill, Raigarh (C.G.)

11. Mahaveer Prasad Chauhan, S/o Shri Hridayaram Chouhan, aged about 60 Years, R/o- Railway Bangla para, Ward No. 39, Tahsil and Distt.-Raigarh (C.G.)

12. Rajesh Tripathi, Son of Shri Kamal Prasad Tripathi, aged about 38 Years, R/o-Kelo Bihar Colony, House No. 159/1500, Raigarh (C.G.)

13. Radheshyam Sharma, Son of Shri Ghanshyam Sharma, aged about 43 Years, R/o-Bahidarpara, Raigarh, Tehsil and Distt.-Raigarh (C.G.)

Election Petition under section 80/80-A read with Section 100 & 101 of the Representation of People Act, 1951

The petitioner most respectfully begs to submit as under :—

HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR

Election Petition No. 06 of 2009

PETITIONER : Narayan Das Inklab Gandhi

Versus

RESPONDENTS : Shakrajit Nayak & Others

(Election Petition under Section 80/80-A Read with Section 100 & 101 of the Representation of People Act, 1951)

SB : Hon'ble Shri Satish K. Agnihotri, J.

Present : Shri Ratan Pusty, Advocate for the petitioner.
Shri Sanjay K. Agrawal, Advocate for the respondent No. 1
Shri S. K. Tiwari, Advocate for the respondent No. 2 to 10.

ORDER

(Delivered on 20th day of July, 2010)

I. A. No. 1

This is an application under Order 7 Rule 11 of the Code of Civil Procedure, 1908 (*for short 'CPC'*) read with section 86 of the Representation of the People Act, 1951 (*for short 'the Act, 1951'*).

1. The election petitioner is one of the 14 candidates who contested the general election 2008 of the Chhattisgarh Legislative Assembly from 16-Raigarh constituency. The respondent No. 1 was declared as returned candidate. The election was held on 20-11-2008 on the basis of nomination papers filed between 27-10-2008 to 03-11-2008. Result of the election was declared on 08-12-2008, declaring the respondent No. 1 as returned candidate.

2. The petitioner has filed the election petition on 22-01-2009 on the ground that the result of the election, in sofar as if concerns returned candidate, has been materially affected by the improper acceptance of the nomination papers, under the provisions of section 100 (1) (d) (i) of the Act, 195. The petitioner, in his election, petition has pleaded that the nomination papers must be presented under the provisions of Rule 4 of the Conduct of Elections Rules, 1961. In the instant case, all the respondents have not given assent to his nomination form as required under Part-3 of the nomination form. There was a defect in the opening line of Part-3 wherein there was "नामदिर्नेशन" whereas as per the prescribed form 2-B, it ought to have been "नाम-निर्देशन". Thus, it has materially affected election of the returned candidate. Accordingly, the election of the returned candidate may be declared as illegal and void and further, the petitioner may be declared as duly elected from 16-Raigarh constituency for the Chhattisgarh Legislative Assembly Election, 2008.

3. The returned candidate, i.e. respondent No. 1 has filed the application being I.A. No. 1, under Order 7 Rule 11 of C.P.C, read with section 86 of the Act, 1951 seeking dismissal of election petition, on the ground that the election petition does not disclose any cause of action and further there is no pleading to the effect that improper acceptance of nomination form of respondent No. 1 as well as other respondents has materially affected the election of respondent No. 1. It was further stated that the nomination forms were supplied by the Election Officer under the provisions of section 31 of the Act, 1951, on payment and there were no substantial defect except in part 3 that "नामनिर्देशन" was typed as "नामदिर्नेशन". The petitioner has not pleaded material facts showing the improper acceptance of nomination of the respondent No. 1 has materially affected the election. It was further stated that the election petitioner has secured the minimum votes. Other ground for dismissal of the election petition is that the petitioner has not complied with the provisions of section 81 (3) of the Act, 1951 which requires that every election petition shall be accompanied by as many copies thereof as there are respondents mentioned in the pertition and every such copy shall be attested by the petitioner under his own signature to be a true copy of the petition. The copy supplied to the petitioner respondent does not contain attestation stating that the copy is a true copy of the petition which is filed in the High Court. Non-compliance of the mandatory conditions also entails dismissal of the election petition under the provisions of section 86 of the Act, 1951.

4. On the other hand, in reply to this application, the election petitioner submits that the election petition makes out a complete cause of action raising triable issue as improper acceptance of nomination of the returned candidate automatically leads to a conclusion that the result of the election in sofar as it concerns the returned candidate, has been materially affected. It is not necessary to give further materials explaining asto how it has affected the election. The respondent No. 1 has been supplied a true copy of the petition as required under the provisions of section 81 (3) of the Act, 1951.

5. Shri Agrawal, learned counsel appearing for the respondent No. 1 (Applicant herein) would submit that the election petition deserves to be rejected on the ground that the petition does not disclose a triable cause of action as material facts stating the grounds for improper acceptance of nomination papers has not been pleaded in the election petition. The election petition lacks in material facts with regard to relief claimed by the petitioner. Non compliance of the provisions of section 81(3) of the Act, 1951 also entails dismissal of the petition under the provisions of section 86 of the Act, 1951. The petitioner ought to have specifically pleaded setting out all material facts so asto enable to reach a clear finding being arrived at on the distribution of wasted votes.

6. Per contra, Shri Ratan Pusty, learned counsel appearing for the election petitioner (non-applicant herein) would submit that the defect in nomination papers not being in accordance with Form 2-B is a defect of Substantial character as in the opening of Form 2-B of the nomination papers, the word "नामनिर्देशन" was wrongly typed as "नामदिर्नेशन". Thus, the assent of the candidate to his nomination form cannot be held as proper nomination. It is not required to give details of pleadings when it is a case of improper acceptance of nomination papers. In case of challenge to the acceptance of nomination of the returned candidate, it is not necessary to further prove as to how and in what manner, the wasted votes would be distributed amongst the remaining candidates.

7. I have heard learned counsel appearing for the parties, perused the pleadings and documents appended thereto.

8. There is no dispute that the Part-3 of the nomination forms, supplied by the District Election officer was as under :

"मैं भाग 1/भाग 2 (जो लागू न हो उसे काट दें) में वर्णित अभ्यर्थी इस नाम-दिर्नेशन के लिए अपनी अनुमति देता हूं और घोषणा करता हूं कि ...."

In place of word "नामदिर्नेशन" it should have been "नामनिर्देशन". The election petitioner, in his election petition, makes following pleadings :

"13. That, the petitioner submits that as a result of improper acceptance of nominations papers of all the Respondents including that of Returned Candidate (Respondent No. 1), the result of election, in so far as it concerns the returned candidate i.e. Respondent No. 1, has been materially affected and as such, the election of the Returned candidate i.e. Respondent No. 1 is liable to be declared void by this Hon'ble Court. Further, the Petitioner submits that the nomination of rest of the candidates except that of petitioner, were also improperly accepted. Had they all not contested the election, the petitioner who was the only candidate in the fray would have been declared elected. The petitioner is therefore, entitled to be declared duly elected after declaring the election of Return Candidate as void."

9. Section 81(3) of the Act, 1951 reads as under :

"81. **Presentation of petitions.—**

(1) xxx xxx xxx

(2) xxx xxx xxx

(3) Every election petition shall be accompanied by as many copies thereof as there are respondents mentioned in the petition and every such copy shall be attested by the petitioner under his own signature to be a true copy of the petition."

10. Section 86(1) of the Act, 1951 reads as under :

"86. **Trial of election petitions.—**

(1) The High Court shall dismiss an election petition which does not comply with the provisions of section 81 or section 82 or section 117.

xxx xxx xxx

xxx xxx xxx"

11. Section 100(1)(d)(i) of the Act, 1951 reads as under :

"100. **Grounds for declaring election to be void.—**

(1) Subject to the provisions of sub-section (2) if the High Court is of opinion-

(a) xxx xxx xxx

(b) xxx xxx xxx

(c) xxx xxx xxx

(d) that the result of the election, in so far as it concerns a returned candidate, has been materially affected-

(i) by the improper acceptance of any nomination, or

xxx xxx xxx

xxx xxx xxx"

12. Challenge to the election is not on any ground of corrupt practice or disqualification but only on the sole ground of improper acceptance of nomination forms. The requirement of section 100(1)(d)(i) of the Act, 1951 is that the result of the election, in so far as it concerns a returned candidate, has been materially affected by the improper acceptance of any nomination. Thus, the petitioner is required to plead specifically all the material grounds to establish that if the nomination papers of a returned candidate was not accepted, the distribution of votes would have been in such a manner which would result into declaring the petitioner as a returned candidate. No pleading to this effect has been made except that the improper acceptance of the nomination papers of all the respondents who have not attempted to correct the printed forms, supplied by the District Election Officer, ought to have been rejected and thereafter, the petitioner, being the only candidate who had filled proper nomination form, would have been declared as elected candidate. There is no other pleading except dates of filing of nomination papers, acceptance of nomination papers, voting, counting and declaration of result.

13. The Supreme Court, in *Durai Muthuswami v. N. Nachiappan & Others,* relied on by learned counsel for the petitioner, observed as under :

"3. In the case of election to a single member constituency if there are more than two candidates and the nomination of one of the defeated candidates had been improperly accepted the question might arise as to whether the result of the election of the returned candidate had been materially affected by such improper reception. In such a case the question would arise as to what would have happened to the votes which had been cast in favour of the defeated candidate whose nomination had been improperly accepted if it hed not been accepted. In that case it would be necessary for the person challenging the election not merely to allege but also to prove that the result of the election had been materially affected by the improper acceptance of the nomination of the other defeated candidate. Unless he succeeds in proving that if the votes cast in favour of the candidate whose nomination had been improperly accepted would have gone in the petitioner's favour and he would have got a majority he cannot succeed in his election petition. Section 100 (1)(d)(i) deals with such a contingency."

14. Relince of the petitioner on the above case i.e. *Durai Muthuswami (supra)*[1], is distinguishable on the facts as in that case, improper acceptance was challenged on the ground that the returned candidate therein was suffering from disqualification which will fall under section 9-A of the Act, 1951. However, it was observed that the requirement of election petition is that the election petition must plead the fact that improper acceptance of nomination would materially affect the result of the election.

15. In the case on hand, this in not the case where improper acceptance has been challenged on the ground of corrupt practice or on the ground of disqualification wherein the consideration is entirely different. In the case on hand, the election petitioner is challenging the acceptance of nomination forms on the ground that there was a defect in the nomination forms, supplied by the District Election Officer on payment and all the candidates, except the petitioner, had filed the defective nomination papers without assent, thus, the election be declared as void. The petitioner is further seeking declaration that the petitioner be declared as elected on the ground that out of 14 candidates, all the 13 candidates who had secured more votes than the petitioner, had filed defective nomination papers as aforestated. Thus, the petitioner is not required to plead asto how improper acceptance would materially affect the election.

16. The petitioner further relies on a decision of the Supreme Court in Chhedi Ram v. Jhilmit Ram & Others[2], wherein it was observed that the burden of establishing that the result of the election has been materially affected as a result of improper acceptance of nomination is on the person impeaching the election. The answer to the question whether the result of the election could be said to have been materially affected must depend on the facts and circumstances and reasonable probabilities of the case.

17. In Santosh Yadav v. Narender Singh[3], relied on by learned consel for the respondent No. 1, wherein the Supreme Court, while considering the question of case of improper rejection as well as improper acceptance of a candidate, observed as under :

"8. It is well settled by a catena of decisions that the success of a winning candidate at an election should not be lightly interfered with. This is all the more so when the election of a successful candidate is sought to be set aside for no fault of his but of someone else. That is why the scheme of section 100 of the Act, especially clause (d) of sub-section (1) thereof clearly prescribes that in spite of the availability of grounds contemplated by sub-clauses (i) to (iv) of clause (d), the election of a returned candidate shall not be avoided unless and until it was proved that the result of the election in so far as it concerns a return candidate, was materially affected.

xxx xxx xxx

15. A word about the pleadings, Section 83 of the Act mandates an election petition to contain a concise statement of the material facts on which the petitioner relies. The rule of pleadings enable a civil dispute being adjudicated upon by a fair trial and reaching a just decision. A civil trial, more so when it relates to an election dispute, where the fate not only of the parties arrayed before the Court but also of the entire constituency is at a stake, the game has to be played with open cards and not like a game of chess or hide and seek. An election petition must set out all material facts wherefrom inferences vital to the success of the election petitioner and enabling the Court to grant the relief prayed for by the petitioner can be drawn subject to the averments being substantiated by cogent evidence. Concise and specific pleadings settings setting out all relevant material facts, and then cogent affirmative evidence being adduced in support of such averments, are indispensable to the success of an election petition. An election petition, if allowed, results in avoiding an election and nullifying the success of a returned candidate. It is a serious remedy. Therefore, an election petition seeking relief on a ground under section 100(1) (d) of the Act, must precisely allege all material facts on which the petitioner relies in support of the plea that the result of the election has been materially affected. Unfortunately in the present case all such material facts and circumstances are conspicuous by their absence.

[1] AIR 1973 SC 1419
[2] AIR 1984 SC 146
[3] AIR 2002 SC 241

16. The law as regards the result of election having been materially affected in case of improper acceptance of nomination may be summed up as under :

1. A case of result of the election, in so far as it concerns the returned candidate, having been materially affected by the improper acceptance of any nomination, within the meaning of section 100(1)(d)(i) of the Representation of the People Act, 1951 has to be made out by raising specific pleadings setting out all material facts and adducing cogent evidence so as to enable a clear finding being arrived at on the distribution of wasted votes, that is the manner in which the votes would have been distributed if the candidate, whose nomination paper was improperly accepted, was not in the fray.

2. Merely because the wasted votes are more than the difference of vote secured by the returned candidate and the candidate securing the next highest number of votes, an inference as to the result of the election having been materially affected cannot necessarily be drawn. The issue is one of fact and the onus of proving it lies upon the petitioner.

3. The burden of proving such material effect has to be discharged by the election petitioner by adducing positive, satisfactory and cogent evidence. If the petitioner is unable to adduce such evidence the burden is not discharged and the election must stand. This rule may operate harshly upon the petitioner seeking to set aside the election on the ground of improper acceptance of a nomination paper, but the Court is not concerned with the inconvenience resulting from the operation of law. Difficulty of proof cannot obviate the need of strict proof or relax the rigour of required proof.

4. The burden of proof placed on the election petitioner is very strict and so difficult to discharge as nearing almost an impossibility. There is no room for any guesswork, speculation, surmises or conjectures i. e. action on a mere possibility. It will not suffice merely to say that all or majority of wasted votes might have gone to the next highest candidate. The law require proof. How far that proof should go or what it should contain is not provided by the legislature.

5. The casting of votes at an election depends upon a variety of factors and it is not possible for any one to predicate how many or which proportion of the votes will go to one or the other of the candidates. It is not permissible to accept 'ipse dixit' of witness coming from one side or the other to say that all or some of the votes would have gone to one or the other on some supposed or imaginary ground."

18. In Mahadeorao Sukaji Shivankar v. Ramratan Bapu & Others[4], the Supreme Court has defined the material facts and particulars in para 6 and para 7, as under :

"6. Now, it is no doubt true that all material facts have to be set out in an election petition. If material facts are not stated in a plaint or a petition, the same is liable to be dismissed on the ground alone as the case would be covered by clause (a) of Rule 11 of Order 7 of the Code. The question, however, is as to whether the petitioner had set out material facts in the election petition. The expression "material facts" has neither been defined in the Act nor in the Code. It may be stated that the material facts are those facts upon which a party relies for his claim or defence. In other words, material facts are facts upon which the plaintiff's cause of action or the defendant's defence depends. What particulars could be said to be material facts would depend on the facts of each case and no rule of universal application can be laid down. It is however, absolutely essential that all basic and perimary facts which must be proved at the trial by the party to establish existence of cause of action or defence are material facts and must be stated in the pleading of the party.

7. But, it is equally well settled that there is distinction between "material facts" and "particular". Material facts are primary or basic facts which must be pleaded by the petitioner in support of the case set up by him either to prove his cause of action or defence. Particulars, on the other hand, are details in support of material facts pleaded by the party. They amplify, refine and embellish material facts by giving finishing touch to the basic countours of a picture already drawn so as to make it full, more clear and more informative. Particulars ensure conduct of fair trial and would not take the opposite party by surprise."

[4] (2004) 7 SCC 181

19. The Supreme Court, in *Ram Sukh V. Dinesh Aggarwal*[5], relied on by learned counsel for the respondent No. 1, observed as under :

"11. As already noted, it is mandatory that all "material facts" are set out in an election petition and it is also trite that if material facts are not stated in the petition, the same is liable to be dismissed on that ground alone. Therefore, the question is as to whether the election petitioner had set out "material facts" in his petition ?

xxx xxx xxx
xxx xxx xxx

18. The issue was again dealt with by this Court in Azhar Hussain v. Rajiv Gandhi [1986 (suppl.) SCC 315]. Referring to earlier pronouncements of this Court in Samant N. Balkrishna (supra) and Udhav Singh v. Madhav Rao Scindia [1977 (1) SCC 511] wherein it was observed that the omission of a single material fact would lead to incomplete cause of action and that an election petition without the material facts is not an election petition at all, the Bench held that all the facts which are essential to clothe the petition with complete cause of action must be pleaded and omission of even a single material fact would amount to disobedience of the mandate of Section 83 (1) (a) of the Act and an election petition can be and must be dismissed if it suffers from any such vice."

20. Reliance of Shri Agrawal on *M. J. Jacob v. A. Naranayanan & Others*[6], is not relevant to the facts of the present case as in the case of *M. J. Jacob (supra)*, challenge was on the ground of corrupt practice, Further reliance on *G. S. Iqbal v. K. M. Khadar*[7], is also not relevant to the facts of the case as in that case, challenge was on the ground of section 100(1) (d) (iv) of the Act, 1951.

21. Recently, the Supreme Court, in *Laxmi Kant Bajpai v. Haji Yaqoob & Others*[8], observed as under :

"37. An election petition has to disclose all the material facts on which the election petitioner relies to establish the existence of a cause of action. Material facts essentially refer to all the relevant facts which an appellant relies upon during the course of the trial. In the absence of material facts and insufficient cause of action, the election petition is liable to be dismissed. There is a catena of cases decided by this Court which have discussed as to what constitutes material facts for the purpose of section 100 of the Representation of the People Act, 1951.

xxx xxx xxx
xxx xxx xxx

45. Therefore, it is a settled legal position that an election petition must clearly and unambiguously set out all the material facts which the appellant is to rely upon during the trial, and it must reveal a clear and complete picture of the circumstances and should disclose a definite cause of action. In the absence of the above, an election petition can be summarily dismissed. To see whether material facts have been duly disclosed or whether a cause of action arises, we need to look at the averment and pleadings taken up by the party."

22. Thus, I have no hesitation in holding that the petitioner has not pleaded material facts as required under the provisions of the Act, 1951. The respondent No. 1, in the instant application filed under Order 7 Rule 11 of the CPC read with section 86 of the Act, 1951 has further pleaded that the election petition deserves to be dismissed on the ground of non-compliance of the provisions of sub section (3) of section 81 of the Act, 1951 which provides that every election petition shall be accompanied by as many copies thereof as there are respondents mentioned in the petition and every such copy shall be attested by the petitioner under his own signature to be a true copy of the petition. On perusal, I have found that the copy of the election petition supplied to the respondents is endorsed by verification of annexure as under :

"VERIFICATION OF ANNEXURES

I, Narayan Das Inklab Gandhi, son of Late Shri Hariram, aged about 63 years, At Raigarh Coffee House, Inklab Bhawan, Subhash Chowk, Raigarh, Distt. Raigarh (C.G.) do hereby verify that it is true to my personal knowledge that the contents of this document are the same as contained in the original.

I have verified the document and signed at Bilaspur on 21-1-2009"

[5] JT 2009 (12) SC 352
[6] JT 2009 (3) SCC 337
[7] JT 2009 (5) SCC 266
[8] (2010) 4 SCC 81

23. Sub-section (3) of section 81 of the Act, 1951 provides for attestation to every copy of election petition by the petitioner under his own signature to be true copy of the election petition filed in the High Court. The Petition does not endorse anywhere that a copy of the petition supplied to the respondents is true copy of the election petition. It states that it is true to personal knowledge of the petitioner that the contents of these documents are same as that of the original. This attestation, wherein it is not stated to be true copy of the petition filed in the High Court, does not conform to the requirement of provisions of section 81(3) of the Act, 1951 also. Thus, on this ground also, the petition deserves to be dismissed under the provisions of section 86 of the Act, 1951 which clearly provides that the petition may be dismissed if there is no compliance of provisions of section 81 or 82 or section 117 of the Act, 1951.

24. For the facts and reasons aforestated, the election petition is not maintainable for wanted compliance of the statutory requirements and the same deserves to be dismissed at the threshold.

25. For the reasons mentioned hereinabove, this application, I. A. No. 1, filed under Order 7 Rule 11 of the CPC is allowed. Consequently, the election petition is dismissed.

26. No order asto costs.

Sd/-

S. K. AGNIHOTRI,
Election Judge.

ELECTION COMMISSION OF INDIA

Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi-110001

New Delhi, Dated 9th February, 2012—21 Magha, 1933 (Saka)

No. 82/CGH/(6/2009)/2012 .— In pursuance of Section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes Order dated the 24th July, 2010, of the High Court of Chhattisgarh, Bilaspur in Election Petition No. 6/2009.

By order,

Sd/-
(K. AJAY KUMAR)
Pr. Secretary,
Election Commission of India.

IN THE HON'BLE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR

Election Petition No. 06/2009

PETITIONER : Narayan Das Inklab Gandhi, Son of late Shri Hariram, aged about 63 years, At-Raigarh Coffee House, Inklab Bhawan, Subhash Chowk, Raigarh, Distt. Raigarh (C.G.).

VERSUS

RESPONDENTS : 1. Shakrajit Nayak, Son of Shri Lalman Nayak, aged about 62 years, R/o-House No. 4, Gajananpuram, Kotra Road, Raigarh, Tehsil and Distt. Raigarh, (C.G.).

22-01-2009

Today i.e. 22-01-2009 at about 01:12 pm. Shri Narayan Das Inklab Gandhi, presented an Election Petition u/s 80/80-A R/W 100 & 101 of the representation of People Act. Challenging the election of Shri Shakrajit Nayak, in the capacity of Participating candidates in the constituency No. 16 i.e. Raigarh, Distt. Raigarh (C.G.)

2. Vijay Agrawal, Son of Shri Hariram Agrawal, aged about 52 years, North Chakradhar Nagar, Raigarh, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

3. Hansram Sahu, Son of Shri Pitambar Sahu, aged about 40 Years, Village-Kauwatala, P. O. Putkapuri. Block-Pussore, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

4. Parimal Yadav, Son of Shri Baratram Yadav, aged about 36 years, Baikunthpur, Raigarh, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

5. Bhuwan Lal Patel, S/o Deodhar Patel, aged about 64 Years, R/o Baderampur, Ward No. 6, P. O.-Kewadabadi, Bus-stand, Tehsil and Distt. Raigarh.

6. Rajesh Jain, S/o Shri Satyanarayan Jain, aged about 32 Years, Goga Mandir Chowk, Jute Mill, Raigarh, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

7. Amulya Pujari, Son of Shri Lambodar Pujari, age about 32 Years, R/o-Village Kukurda, P. O.-Jamgaon, Tehsil and Distt. Raigarh (C.G.)

8. Tathagat Shrivastava, Son of Shri K. L. Shrivastava, aged about 38 Years, R/o-Behind Shri Ram Colony Stadium, Raigarh, P. O.-Tahsil and Distt.-Raigarh (C.G.)

9. Narendra Kumar Choubey, Son of Shri B. L. Choubey, aged about 26 Years, R/o-Behind Kabir Chowk Kisaan Rice Mill, Raigarh (C.G.)

10. Pramod Kumar Singh, Son of Shri Birendra Singh, aged about 44 Years, R/o-Singh Mensan Kabir Chowk, Opposite F.C.I. Godown, Jute Mill, Raigarh (C.G.)

11. Mahaveer Prasad Chauhan, S/o Shri Hridayaram Chouhan, aged about 60 Years, R/o- Railway Bangla para, Ward No. 39, Tahsil and Distt.-Raigarh (C.G.)

12. Rajesh Tripathi, Son of Shri Kamal Prasad Tripathi, aged about 38 Years, R/o-Kelo Bihar Colony, House No. 159/1500, Raigarh (C.G.)

13. Radheshyam Sharma, Son of Shri Ghanshyam Sharma, aged about 43 Years, R/o-Bahidarpara, Raigarh, Tehsil and Distt.-Raigarh (C.G.)

Election Petition under section 80/80-A read with Section 100 & 101 of the Representation of People Act, 1951

The petitioner most respectfully begs to submit as under :—

HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR

Election Petition No. 06 of 2009

PETITIONER : Narayan Das Inklab Gandhi

Versus

RESPONDENTS : Shakrajit Nayak & Others

(Election Petition under Section 80/80-A Read with Section 100 & 101 of the Representation of People Act, 1951)

SB : Hon'ble Shri Satish K. Agnihotri, J.

Present : Shri Ratan Pusty, Advocate for the petitioner.
Shri Sanjay K. Agrawal, Advocate for the respondent No. 1
Shri S. K. Tiwari, Advocate for the respondent No. 2 to 10.

ORDER
(Delivered on 20th day of July, 2010)

I. A. No. 1

This is an application under Order 7 Rule 11 of the Code of Civil Procedure, 1908 (*for short 'CPC'*) read with section 86 of the Representation of the People Act, 1951 (*for short 'the Act, 1951'*).

1. The election petitioner is one of the 14 candidates who contested the general election 2008 of the Chhattisgarh Legislative Assembly from 16-Raigarh constituency. The respondent No. 1 was declared as returned candidate. The election was held on 20-11-2008 on the basis of nomination papers filed between 27-10-2008 to 03-11-2008. Result of the election was declared on 08-12-2008, declaring the respondent No. 1 as returned candidate.

2. The petitioner has filed the election petition on 22-01-2009 on the ground that the result of the election, in sofar as if concerns returned candidate, has been materially affected by the improper acceptance of the nomination papers, under the provisions of section 100 (1) (d) (i) of the Act, 195. The petitioner, in his election, petition has pleaded that the nomination papers must be presented under the provisions of Rule 4 of the Conduct of Elections Rules, 1961. In the instant case, all the respondents have not given assent to his nomination form as required under Part-3 of the nomination form. There was a defect in the opening line of Part-3 wherein there was "नामदिर्नेशन" whereas as per the prescribed form 2-B, it ought to have been "नामनिर्देशन". Thus, it has materially affected election of the returned candidate. Accordingly, the election of the returned candidate may be declared as illegal and void and further, the petitioner may be declared as duly elected from 16-Raigarh constituency for the Chhattisgarh Legislative Assembly Election, 2008.

3. The returned candidate, i.e. respondent No. 1 has filed the application being I.A. No. 1, under Order 7 Rule 11 of C.P.C, read with section 86 of the Act, 1951 seeking dismissal of election petition, on the ground that the election petition does not disclose any cause of action and further there is no pleading to the effect that improper acceptance of nomination form of respondent No. 1 as well as other respondents has materially affected the election of respondent No. 1. It was further stated that the nomination forms were supplied by the Election Officer under the provisions of section 31 of the Act, 1951, on payment and there were no substantial defect except in part 3 that "नामनिर्देशन" was typed as "नामदिर्नेशन". The petitioner has not pleaded material facts showing the improper acceptance of nomination of the respondent No. 1 has materially affected the election. It was further stated that the election petitioner has secured the minimum votes. Other ground for dismissal of the election petition is that the petitioner has not complied with the provisions of section 81 (3) of the Act, 1951 which requires that every election petition shall be accompanied by as many copies thereof as there are respondents mentioned in the pertition and every such copy shall be attested by the petitioner under his own signature to be a true copy of the petition. The copy supplied to the petitioner respondent does not contain attestation stating that the copy is a true copy of the petition which is filed in the High Court. Non-compliance of the mandatory conditions also entails dismissal of the election petition under the provisions of section 86 of the Act, 1951.

4. On the other hand, in reply to this application, the election petitioner submits that the election petition makes out a complete cause of action raising triable issue as improper acceptance of nomination of the returned candidate automatically leads to a conclusion that the result of the election in so far as it concerns the returned candidate, has been materially affected. It is not necessary to give further materials explaining as to how it has affected the election. The respondent No. 1 has been supplied a true copy of the petition as required under the provisions of section 81 (3) of the Act, 1951.

5. Shri Agrawal, learned counsel appearing for the respondent No. 1 (Applicant herein) would submit that the election petition deserves to be rejected on the ground that the petition does not disclose a triable cause of action as material facts stating the grounds for improper acceptance of nomination papers has not been pleaded in the election petition. The election petition lacks in material facts with regard to relief claimed by the petitioner. Non compliance of the provisions of section 81(3) of the Act, 1951 also entails dismissal of the petition under the provisions of section 86 of the Act, 1951. The petitioner ought to have specifically pleaded setting out all material facts so asto enable to reach a clear finding being arrived at on the distribution of wasted votes.

6. Per contra, Shri Ratan Pusty, learned counsel appearing for the election petitioner (non-applicant herein) would submit that the defect in nomination papers not being in accordance with Form 2-B is a defect of Substantial character as in the opening of Form 2-B of the nomination papers, the word "नामनिर्देशन" was wrongly typed as "नामदिर्नेशन". Thus, the assent of the candidate to his nomination form cannot be held as proper nomination. It is not required to give details of pleadings when it is a case of improper acceptance of nomination papers. In case of challenge to the acceptance of nomination of the returned candidate, it is not necessary to further prove as to how and in what manner, the wasted votes would be distributed amongst the remaining candidates.

7 I have heard learned counsel appearing for the parties, perused the pleadings and documents appended thereto.

8. There is no dispute that the Part-3 of the nomination forms, supplied by the District Election officer was as under :

"मैं भाग 1/भाग 2 (जो लागू न हो उसे काट दें) में वर्णित अभ्यर्थी इस नाम-दिर्नेशन के लिए अपनी अनुमति देता हूं और घोषणा करता हूं कि ...."

In place of word "नामदिर्नेशन" it should have been "नामनिर्देशन". The election petitioner, in his election petition, makes following pleadings :

"13. That, the petitioner submits that as a result of improper acceptance of nominations papers of all the Respondents including that of Returned Candidate (Respondent No. 1), the result of election, in so far as it concerns the returned candidate i.e. Respondent No. 1, has been materially affected and as such, the election of the Returned candidate i.e. Respondent No. 1 is liable to be declared void by this Hon'ble Court. Further, the Petitioner submits that the nomination of rest of the candidates except that of petitioner, were also improperly accepted. Had they all not contested the election, the petitioner who was the only candidate in the fray would have been declared elected. The petitioner is therefore, entitled to be declared duly elected after declaring the election of Return Candidate as void."

9. Section 81(3) of the Act, 1951 reads as under :

"81. **Presentation of petitions.—**

(1) xxx xxx xxx

(2) xxx xxx xxx

(3) Every election petition shall be accompanied by as many copies thereof as there are respondents mentioned in the petition and every such copy shall be attested by the petitioner under his own signature to be a true copy of the petition."

10. Section 86(1) of the Act, 1951 reads as under :

"86. **Trial of election petitions.—**

(1) The High Court shall dismiss an election petition which does not comply with the provisions of section 81 or section 82 or section 117.

xxx xxx xxx

xxx xxx xxx"

11. Section 100(1)(d)(i) of the Act, 1951 reads as under :

"100. **Grounds for declaring election to be void.—**

(1) Subject to the provisions of sub-section (2) if the High Court is of opinion-

(a) xxx xxx xxx

(b) xxx xxx xxx

(c) xxx xxx xxx

(d) that the result of the elcction, in so far as it concerns a returned candidate, has been materially affected-

(i) by the improper acceptance of any nomination, or

xxx xxx xxx

xxx xxx xxx"

12. Challenge to the election is not on any ground of corrupt practice or disqualification but only on the sole ground of improper acceptance of nomination forms. The requirement of section 100(1)(d)(i) of the Act, 1951 is that the result of the election, in so far as it concerns a returned candidate, has been materially affected by the improper acceptance of any nomination. Thus, the petitioner is required to plead specifically all the material grounds to establish that if the nomination papers of a returned candidate was not accepted, the distribution of votes would have been in such a manner which would result into declaring the petitioner as a returned candidate. No pleading to this effect has been made except that the improper acceptance of the nomination papers of all the respondents who have not attempted to correct the printed forms, supplied by the District Election Officer, ought to have been rejected and thereafter, the petitioner, being the only candidate who had filled proper nomination form, would have been declared as elected candidate. There is no other pleading except dates of filing of nomination papers, acceptance of nomination papers, voting, counting and declaration of result.

13. The Supreme Court, in *Durai Muthuswami v. N. Nachiappan & Others,* relied on by learned counsel for the petitioner, observed as under :

"3. In the case of election to a single member constituency if there are more than two candidates and the nomination of one of the defeated candidates had been improperly accepted the question might arise as to whether the result of the election of the returned candidate had been materially affected by such improper reception. In such a case the question would arise as to what would have happened to the votes which had been cast in favour of the defeated candidate whose nomination had been improperly accepted if it hed not been accepted. In that case it would be necessary for the person challenging the election not merely to allege but also to prove that the result of the election had been materially affected by the improper acceptance of the nomination of the other defeated candidate. Unless he succeeds in proving that if the votes cast in favour of the candidate whose nomination had been improperly accepted would have gone in the petitioner's favour and he would have got a majority he cannot succeed in his election petition. Section 100(1)(d)(i) deals with such a contingency."

14. Relince of the petitioner on the above case i.e. *Durai Muthuswami (supra)*[1], is distinguishable on the facts as in that case, improper acceptance was challenged on the ground that the returned candidate therein was suffering from disqualification which will fall under section 9-A of the Act, 1951. However, it was observed that the requirement of election petition is that the election petition must plead the fact that improper acceptance of nomination would materially affect the result of the election.

15. In the case on hand, this in not the case where improper acceptance has been challenged on the ground of corrupt practice or on the ground of disqualification wherein the consideration is entirely different. In the case on hand, the election petitioner is challenging the acceptance of nomination forms on the ground that there was a defect in the nomination forms, supplied by the District Election Officer on payment and all the candidates, except the petitioner, had filed the defective nomination papers without assent, thus, the election be declared as void. The petitioner is further seeking declaration that the petitioner be declared as elected on the ground that out of 14 candidates, all the 13 candidates who had secured more votes than the petitioner, had filed defective nomination papers as aforestated. Thus, the petitioner is not required to plead asto how improper acceptance would materially affect the election.

16. The petitioner further relies on a decision of the Supreme Court in Chhedi Ram v. Jhilmit Ram & Others[2], wherein it was observed that the burden of establishing that the result of the election has been materially affected as a result of improper acceptance of nomination is on the person impeaching the election. The answer to the question whether the result of the election could be said to have been materially affected must depend on the facts and circumstances and reasonable probabilities of the case.

17. In Santosh Yadav v. Narender Singh[3], relied on by learned consel for the respondent No. 1, wherein the Supreme Court, while considering the question of case of improper rejection as well as improper acceptance of a candidate, observed as under :

> "8. It is well settled by a catena of decisions that the success of a winning candidate at an election should not be lightly interfered with. This is all the more so when the election of a successful candidate is sought to be set aside for no fault of his but of someone else. That is why the scheme of section 100 of the Act, especially clause (d) of sub-section (1) thereof clearly prescribes that in spite of the availability of grounds contemplated by sub-clauses (i) to (iv) of clause (d), the election of a returned candidate shall not be avoided unless and until it was proved that the result of the election in so far as it concerns a return candidate, was materially affected.
>
> xxx xxx xxx
>
> 15. A word about the pleadings, Section 83 of the Act mandates an election petition to contain a concise statement of the material facts on which the petitioner relies. The rule of pleadings enable a civil dispute being adjudicated upon by a fair trial and reaching a just decision. A civil trial, more so when it relates to an election dispute, where the fate not only of the parties arrayed before the Court but also of the entire constitutency is at a stake, the game has to be played with open cards and not like a game of chess or hide and seek. An election petition must set out all material facts wherefrom inferences vital to the success of the election petitioner and enabling the Court to grant the relief prayed for by the petitioner can be drawn subject to the averments being substantiated by cogent evidence. Concise and specific pleadings settings setting out all relevant material facts, and then cogent affirmative evidence being adduced in support of such averments, are indispensable to the success of an election petition. An election petition, if allowed, results in avoiding an election and nullifying the success of a returned candidate. It is a serious remedy. Therefore, an election petition seeking relief on a ground under section 100(1) (d) of the Act, must precisely allege all material facts on which the petitioner relies in support of the plea that the result of the election has been materially affected. Unfortunately in the present case all such material facts and circumstances are conspicuous by their absence.

[1] AIR 1973 SC 1419

[2] AIR 1984 SC 146

[3] AIR 2002 SC 241

16. The law as regards the result of election having been materially affected in case of improper acceptance of nomination may be summed up as under :

1. A case of result of the election, in so far as it concerns the returned candidate, having been materially affected by the improper acceptance of any nomination, within the meaning of section 100(1)(d)(i) of the Representation of the People Act, 1951 has to be made out by raising specific pleadings setting out all material facts and adducing cogent evidence so as to enable a clear finding being arrived at on the distribution of wasted votes, that is the manner in which the votes would have been distributed if the candidate, whose nomination paper was improperly accepted, was not in the fray.

2. Merely because the wasted votes are more than the difference of vote secured by the returned candidate and the candidate securing the next highest number of votes, an inference as to the result of the election having been materially affected cannot necessarily be drawn. The issue is one of fact and the onus of proving it lies upon the petitioner.

3. The burden of proving such material effect has to be discharged by the election petitioner by adducing positive, satisfactory and cogent evidence. If the petitioner is unable to adduce such evidence the burden is not discharged and the election must stand. This rule may operate harshly upon the petitioner seeking to set aside the election on the ground of improper acceptance of a nomination paper, but the Court is not concerned with the inconvenience resulting from the operation of law. Difficulty of proof cannot obviate the need of strict proof or relax the rigour of required proof.

4. The burden of proof placed on the election petitioner is very strict and so difficult to discharge as nearing almost an impossibility. There is no room for any guesswork, speculation, surmises or conjectures i. e. action on a mere possibility. It will not suffice merely to say that all or majority of wasted votes might have gone to the next highest candidate. The law require proof. How far that proof should go or what it should contain is not provided by the legislature.

5. The casting of votes at an election depends upon a variety of factors and it is not possible for any one to predicate how many or which proportion of the votes will go to one or the other of the candidates. It is not permissible to accept 'ipse dixit' of witness coming from one side or the other to say that all or some of the votes would have gone to one or the other on some supposed or imaginary ground."

18. In Mahadeorao Sukaji Shivankar v. Ramratan Bapu & Others[4], the Supreme Court has defined the material facts and particulars in para 6 and para 7, as under :

"6. Now, it is no doubt true that all material facts have to be set out in an election petition. If material facts are not stated in a plaint or a petition, the same is liable to be dismissed on the ground alone as the case would be covered by clause (a) of Rule 11 of Order 7 of the Code. The question, however, is as to whether the petitioner had set out material facts in the election petition. The expression "material facts" has neither been defined in the Act nor in the Code. It may be stated that the material facts are those facts upon which a party relies for his claim or defence. In other words, material facts are facts upon which the plaintiff's cause of action or the defendant's defence depends. What particulars could be said to be material facts would depend on the facts of each case and no rule of universal application can be laid down. It is however, absolutely essential that all basic and perimary facts which must be proved at the trial by the party to establish existence of cause of action or defence are material facts and must be stated in the pleading of the party.

7. But, it is equally well settled that there is distinction between "material facts" and "particular". Material facts are primary or basic facts which must be pleaded by the petitioner in support of the case set up by him either to prove his cause of action or defence. Particulars, on the other hand, are details in support of material facts pleaded by the party. They amplify, refine and embellish material facts by giving finishing touch to the basic countours of a picture already drawn so as to make it full, more clear and more informative. Particulars ensure conduct of fair trial and would not take the opposite party by surprise."

[4] (2004) 7 SCC 181

19. The Supreme Court, in *Ram Sukh V. Dinesh Aggarwal*[5], relied on by learned counsel for the respondent No. 1, observed as under :

"11. As already noted, it is mandatory that all "material facts" are set out in an election petition and it is also trite that if material facts are not stated in the petition, the same is liable to be dismissed on that ground alone. Therefore, the question is as to whether the election petitioner had set out "material facts" in his petition ?

xxx xxx xxx
xxx xxx xxx

18. The issue was again dealt with by this Court in Azhar Hussain v. Rajiv Gandhi [1986 (suppl.) SCC 315]. Referring to earlier pronouncements of this Court in Samant N. Balkrishna (supra) and Udhav Singh v. Madhav Rao Scindia [1977 (1) SCC 511] wherein it was observed that the omission of a single material fact would lead to incomplete cause of action and that an election petition without the material facts is not an election petition at all, the Bench held that all the facts which are essential to clothe the petition with complete cause of action must be pleaded and omission of even a single material fact would amount to disobedience of the mandate of Section 83 (1) (a) of the Act and an election petition can be and must be dismissed if it suffers from any such vice."

20. Reliance of Shri Agrawal on *M. J. Jacob v. A. Naranayanan & Others*[6], is not relevant to the facts of the present case as in the case of *M. J. Jacob (supra),* challenge was on the ground of corrupt practice, Further reliance on *G. S. Iqbal v. K. M. Khadar*[7], is also not relevant to the facts of the case as in that case, challenge was on the ground of section 100(1) (d) (iv) of the Act, 1951.

21. Recently, the Supreme Court, in *Laxmi Kant Bajpai v. Haji Yaqoob & Others*[8], observed as under :

"37. An election petition has to disclose all the material facts on which the election petitioner relies to establish the existence of a cause of action. Material facts essentially refer to all the relevant facts which an appellant relies upon during the course of the trial. In the absence of material facts and insufficient cause of action, the election petition is liable to be dismissed. There is a catena of cases decided by this Court which have discussed as to what constitutes material facts for the purpose of section 100 of the Representation of the People Act, 1951.

xxx xxx xxx
xxx xxx xxx

45. Therefore, it is a settled legal position that an election petition must clearly and unambiguously set out all the material facts which the appellant is to rely upon during the trial, and it must reveal a clear and complete picture of the circumstances and should disclose a definite cause of action. In the absence of the above, an election petition can be summarily dismissed. To see whether material facts have been duly disclosed or whether a cause of action arises, we need to look at the averment and pleadings taken up by the party."

22. Thus, I have no hesitation in holding that the petitioner has not pleaded material facts as required under the provisions of the Act, 1951. The respondent No. 1, in the instant application filed under Order 7 Rule 11 of the CPC read with section 86 of the Act, 1951 has further pleaded that the election petition deserves to be dismissed on the ground of non-compliance of the provisions of sub section (3) of section 81 of the Act, 1951 which provides that every election petition shall be accompanied by as many copies thereof as there are respondents mentioned in the petition and every such copy shall be attested by the petitioner under his own signature to be a true copy of the petition. On perusal, I have found that the copy of the election petition supplied to the respondents is endorsed by verification of annexure as under :

"VERIFICATION OF ANNEXURES

I, Narayan Das Inklab Gandhi, son of Late Shri Hariram, aged about 63 years, At Raigarh Coffee House, Inklab Bhawan, Subhash Chowk, Raigarh, Distt. Raigarh (C.G.) do hereby verify that it is true to my personal knowledge that the contents of this document are the same as contained in the original.

I have verified the document and signed at Bilaspur on 21-1-2009"

[5] JT 2009 (12) SC 352
[6] JT 2009 (3) SCC 337
[7] JT 2009 (5) SCC 266
[8] (2010) 4 SCC 81

23. Sub-section (3) of section 81 of the Act, 1951 provides for attestation to every copy of election petition by the petitioner under his own signature to be true copy of the election petition filed in the High Court. The Petition does not endorse anywhere that a copy of the petition supplied to the respondents is true copy of the election petition. It states that it is true to personal knowledge of the petitioner that the contents of these documents are same as that of the original. This attestation, wherein it is not stated to be true copy of the petition filed in the High Court, does not conform to the requirement of provisions of section 81(3) of the Act, 1951 also. Thus, on this ground also, the petition deserves to be dismissed under the provisions of section 86 of the Act, 1951 which clearly provides that the petition may be dismissed if there is no compliance of provisions of section 81 or 82 or section 117 of the Act, 1951.

24. For the facts and reasons aforestated, the election petition is not maintainable for wanted compliance of the statutory requirements and the same deserves to be dismissed at the threshold.

25. For the reasons mentioned hereinabove, this application, I. A. No. 1, filed under Order 7 Rule 11 of the CPC is allowed. Consequently, the election petition is dismissed.

26. No order asto costs.

Sd/-

S. K. AGNIHOTRI,
Election Judge.